वैशाख कृष्णा - 8 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 263 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 22-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ममता बनर्जी हिंदुओं से 'नफरत' करती हैं : भाजपा ने लगाया आरोप

6 डिजिटल भुगतान में तकनीकी अवरोधों की चुनौती

7 कलाकारों को खुले मन से युवा पीढ़ी से सीखते रहना चाहिए : इमरान हाशमी

फर्स्ट टेक

नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है : शाह

नई दिल्ली/भाषा। झारखंड में सुरक्षा बलों द्वारा आठ नक्सलियों को ढेर किए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए उनकी सरकार की प्रतिबद्धता बरकरार है। झारखंड के बोकारो जिले में सोमवार को पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, जिनमें से एक नक्सली उग्रवादियों की शीर्ष केंद्रीय समिति का सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है।

अब किसी भी उम्र के नाबालिगों का खुल सकेगा बैंक खाता : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आज कहा कि अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बैंक में बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। आरबीआई ने सोमवार को सभी वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंकों को जारी अधिसूचना में नाबालिगों के लिए जमा खाता खोलने और संचालन से संबंधित नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आरबीआई ने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर इन्हें अधिक व्यावहारिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। साथ ही 10 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नाबालिग यदि सक्षम हों तो बैंक की जोखिम प्रबंधन नीति के तहत स्वतंत्र रूप से खाता खोलने और संचालित करने के पात्र होंगे।

इजरायल ने गाजा पर 200 से ज्यादा हमले कर इस्लामी जिहादी को किया ढेर

यरुशलेम/भाषा। इजरायल ने पिछले तीन दिनों के दौरान समूची गाजा पट्टी पर 200 से भी ज्यादा बार हवाई हमले किए हैं जिसमें इस्लामी जेहाद आंदोलन का एक आतंकी मारा गया। इजरायली सेना ने सोमवार को यहां बताया कि पिछले तीन दिनों के दौरान किए गए हमलों मे आतंकियो के आधारभूत संरचना से जुड़ी जगहों और आतंकी ठिकानों, राकेट छोड़ने की जगहों, निशानेबाजों , हथियारों के डिपो और कमांड स्थलों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों मे आतंकी अहमद मंसौर मारा गया है जिसने सात अक्तूबर 2023 में इजरायल पर किए गए हमलों में भाग लिया था।

22-04-2025 सूर्यास्त 6:33 बजे	23-04-2025 सूर्योदय 6:02 बजे
BSE 79,408.50 (+855.30)	NSE 24,125.55 (+273.90)
सोना 10,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 98,332 रु. प्रति किलो

'अगले हजार साल की रूपरेखा तय करने वाली नीतियां बना रही है सरकार'

▪ **प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सामूहिक प्रयास एवं दृढ़ संकल्प के महत्व को रेखांकित किया और सभी से इस साझा दृष्टिकोण की दिशा में हर दिन और हर पल अथक परिश्रम करने का आग्रह किया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत की नौकरशाही और नीति निर्माण प्रक्रिया पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकती तथा उनकी सरकार जिन नीतियों पर काम कर रही है, वे अगले 1,000 वर्ष के भविष्य को आकार देंगी।

मोदी ने औद्योगीकरण और उद्यमिता की गति को नियंत्रित करने वाले नियामक के रूप में नौकरशाही की पुरानी भूमिका का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र इस मानसिकता से आगे बढ़ चुका है और अब ऐसा माहौल बना रहा है जो आम नागरिकों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है एवं उन्हें बाधाओं से निपटने में मदद करता है।

मोदी ने यहां विज्ञान भवन में सिविल सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सिविल सेवाओं को अपने में बदलाव कर नियम पुस्तिकाओं का मात्र रखवाला न बनकर, विकास का सूत्रधार बनना चाहिए। उन्होंने नौकरशाहों को दिए गए लगभग 40 मिनट के अपने भाषण के दौरान भारत के समाज, युवाओं, किसानों और महिलाओं की आकांक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके सपने अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इन असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण गति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''आज हम जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं और जो निर्णय ले रहे हैं, वे आगामी 1,000 वर्ष के भविष्य को आकार देंगे।''

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सामूहिक प्रयास एवं दृढ़ संकल्प के महत्व को रेखांकित किया और सभी से इस साझा दृष्टिकोण की दिशा में हर दिन और हर पल अथक परिश्रम करने का आग्रह किया।

मोदी ने वैश्विक स्तर पर हो रहे त्वरित बदलावों का उल्लेख करते हुए हर दो से तीन साल में 'गैजेट' के तेजी से बदल जाने को रेखांकित किया और इस बात का जिक्र किया कि बच्चे इन परिवर्तनों के बीच कैसे बड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत की नौकरशाही, कामकाज के तरीके और नीति निर्माण की प्रक्रिया पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकती।''

मोदी ने कहा कि भारत का आकांक्षी समाज - युवा, किसान एवं महिलाएं - और इसके सपने अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इन असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण गति आवश्यक है।''

पूर्व डीजीपी की हत्या में बेटे को मां और बहन की संलिप्तता का 'गहरा संदेह'

▪ **कार्तिकेश ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा, मेरी मां पल्लवी और मेरी बहन कृति अक्सर मेरे पिता से झगड़ा करती थीं। मुझे पूरा संदेह है कि वे मेरे पिता की हत्या में शामिल हैं।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की संदिग्ध मौत के मामले में उनके बेटे ने अपने पिता की हत्या में अपनी मां और बहन की संलिप्तता का 'गहरा संदेह' जताया जिसके बाद दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने घटना के सिलसिले में ओम प्रकाश की पत्नी पल्लवी और बेटी कृति को गिरफ्तार कर लिया है। ओम प्रकाश के बेटे कार्तिकेश ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि पल्लवी पिछले एक सप्ताह से उसके पिता को जान से मारने की धमकी दे रही थी। पूर्व डीजीपी के बेटे ने कहा, इन धमकियों के कारण मेरे पिता अपनी बहन के घर रहने चले गए थे। कार्तिकेश ने आरोप लगाया, दो दिन पहले मेरी छोटी बहन वहां गई और उन पर (पूर्व डीजीपी) घर लौटने का दबाव बनाया।

शिकायत में कार्तिकेश ने कहा, बहन कृति पिताजी को वापस ले आई थी, जबकि वह वापस आने को तैयार नहीं थे। उन्होंने बताया कि रविवार शाम करीब पांच बजे जब वह (कार्तिकेश) डोमलूर स्थित कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन में था, तब उसके पड़ोसी जयश्री श्रीधरन ने उसे फोन कर बताया कि उसके पिता सीढ़ियों के नीचे पड़े हुए हैं। कार्तिकेश ने बताया, मैं घर पहुंचा (जो एचएसआर लेआउट में स्थित है) तो वहां पुलिस अधिकारी और लोग मौजूद थे। मेरे पिता खून से लथपथ पड़े थे और उनके सिर और शरीर पर घाव थे। उनके शव के पास एक टूटी हुई बोतल और एक चाकू पड़ा था। इसके बाद उन्हें सेंट जॉन्स अस्पताल ले जाया गया।

कार्तिकेश ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा, मेरी मां पल्लवी और मेरी बहन कृति अक्सर मेरे पिता से झगड़ा करती थीं। मुझे पूरा संदेह है कि वे मेरे पिता की हत्या में शामिल हैं। मैं इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू करने का

पूर्व डीजीपी की हत्या के मामले की सच्चाई विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगी : गृह मंत्री

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या के मामले में राज्य के गृहमंत्री जी.परमेश्वर ने कहा है कि घटना की विस्तृत जांच के बाद ही सच पता चल पाएगा।

परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या की गई है । ऐसा कहा जा रहा है कि उनकी पत्नी (पल्लवी) ने उनकी हत्या की है। मामले की विस्तृत जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। मंत्री ने कहा कि जब वह 2015 में गृह मंत्री थे तब प्रकाश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बने थे। जब परमेश्वर से पूछा गया कि हत्या की वजह क्या हो सकती है, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है क्योंकि जांच अभी शुरू हुई है और जांच अधिकारी ने अभी तक कोई जानकारी साझा नहीं की है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पति-पत्नी के बीच कथित अनबन और पल्लवी के 'शिजोफ्रेनिया' (एक मानसिक विकार) से पीड़ित होने की जानकारी नहीं है।

कनाडा में हिंदू मंदिर को विरूपित किया गया

टोरंटो/भाषा। कनाडा के सरे स्थित एक मंदिर को असामाजिक तत्वों ने विरूपित कर दिया और इसके प्रवेश द्वार तथा स्तंभों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख दिए। मंदिर प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि यह घटना 19 अप्रैल को सरे स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुई। बयान में कहा गया, ''हम गहरे दुख के साथ समुदाय को 19 अप्रैल, 2025 को तड़के लगभग 3:00 बजे हुई एक परेशान करने वाली घटना की जानकारी दे रहे हैं। दो अज्ञात व्यक्तियों ने सरे में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को विरूपित किया और प्रवेश द्वार तथा मंदिर के स्तंभों पर 'खालिस्तान' शब्द लिख दिया।'' इसके अलावा, इस कृत्य के दौरान सुरक्षा कैमरा भी चुरा लिया गया। बयान में कहा गया, ''हम घृणा और चोरी के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, जो न केवल एक अपराध है, बल्कि एक पवित्र स्थान पर सीधा हमला है।'' इसमें कहा गया कि सरे पुलिस के समक्ष आधिकारिक तौर पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। बयान में कहा गया, ''हम नेताओं से आग्रह करते हैं कि वे इस घृणा अपराध की निंदा करने में हमारा साथ दें। कनाडा के सम्मानजनक और विविधतापूर्ण समाज में उपासना स्थलों पर हमलों के लिए कोई जगह नहीं है।''

हम पर संसदीय और कार्यपालिका के कार्यों में अतिक्रमण का आरोप लगाया गया है : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने न्यायपालिका को हाल में निशाना बनाए जाने का स्पष्ट जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि ''हम पर संसदीय और कार्यपालिका के कार्यों में अतिक्रमण करने का आरोप'' लगाया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हाल में हुई हिंसा की जांच कराए जाने का अनुरोध करने वाली एक नई याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ की अगुवाई कर रहे न्यायमूर्ति गवई ने यह टिप्पणी की। इस पीठ में न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने एक अन्य मामले में भी इसी तरह की टिप्पणी की। एक मामला जहां वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल में हाल में हुई हिंसा से जुड़ा है तो दूसरी

याचिका में केंद्र को ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। ऑनलाइन सामग्री पर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''इस पर कौन नियंत्रण कर सकता है? इस संबंध में नियम तैयार करना केंद्र का काम है।'' न्यायमूर्ति गवई ने मामले में पक्ष रख रहे अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन से कहा, ''हमारी आलोचना की जा रही है कि हम कार्यपालिका के कामकाज में, विधायिका के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं।''

जैन ने कहा, ''यह बहुत गंभीर मामला है''। इसके बाद पीठ ने सुनवाई अगले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध कर दी।

जैन ने 2021 की एक अलग लंबित जनहित याचिका में दाखिल आवेदन का उल्लेख करते हुए विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में हिंसा के मद्देनजर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी। उन्होंने पीठ से अनुरोध किया कि मुख्य याचिका के साथ मंगलवार को इस पर सुनवाई की जाए। जैन ने कहा कि 2021 की याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है तथा पश्चिम बंगाल में हिंसा की और घटनाओं को सामने लाने वाली नई याचिका पर भी सुनवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कल की सूची में मद संख्या 42 पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने से संबंधित है। यह याचिका मैंने दायर की है। उस याचिका में मैंने पश्चिम बंगाल राज्य में हुई हिंसा की कुछ और घटनाओं को सामने लाने संबंधी अभियोग और निर्देश के लिए एक इंटरलोक्यूटरी आवेदन दायर किया है।''

'स्पेडेक्स' मिशन :

इसरो ने उपग्रहों की 'डॉकिंग' में दूसरी बार सफलता हासिल की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) मिशन के तहत दूसरी बार दो उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' तकनीक तब आवश्यक होती है, जब सामान्य मिशन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कई रॉकेट या अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की जरूरत होती है। यह तकनीक दो या उससे अधिक अंतरिक्ष यान को एक साथ जोड़कर या कक्षा में साथ लाकर एक बड़ी संरचना बनाने तथा सामान की आपूर्ति करने के लिए इस्तेमाल की जाती है। इससे भारत को अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और

चंद्रयान-4 अभियान का संचालन करने में मदद मिलेगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इसरो स्पेडेक्स अपडेट : यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उपग्रहों की दूसरी 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है।''

इसरो ने पिछले साल 30 दिसंबर को 'स्पेडेक्स' मिशन शुरू किया था और अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' संबंधी प्रयोग के लिए दो उपग्रह-एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा में स्थापित किया था।

सिंह ने कहा, ''जैसा कि पहले सूचित किया गया है, पीएसएलवी-सी60/स्पेडेक्स मिशन को 30 दिसंबर 2024 को सफलतापूर्वक शुरू किया गया था। इसके बाद उपग्रहों को पहली बार 16 जनवरी 2025 को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर सफलतापूर्वक 'डॉक' और 13 मार्च 2025 को सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर सफलतापूर्वक 'अनडॉक' (उपग्रहों को अलग करने की प्रक्रिया) किया गया।

राहुल ने अमेरिका में कहा:

निर्वाचन आयोग समझौता कर चुका है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोस्टन (अमेरिका)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने 'समझौता कर लिया है' और 'प्रणाली में कुछ गड़बड़ है'। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी इस कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें ''देशद्रोही'' करार दिया और 'नेशनल हेराल्ड' मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी शनिवार को अमेरिका पहुंचे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि

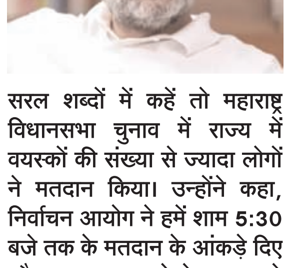

सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने समय में इतने अधिक लोगों का मतदान केंद्र तक पहुंच कर वोट डालना संभव नहीं है।

एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर हिसाब लगाएं तो इसका मतलब है कि मतदाताओं की कतारें देर रात 2 बजे तक लगी रही होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, ''जब हमने उनसे वीडियोग्राफी के लिए कहा, तो उन्होंने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि उन्होंने कानून भी बदल दिया ताकि अब हमें वीडियोग्राफी के लिए कहने की अनुमति न मिले।''

गांधी ने कहा, ''यह हमारे लिए बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और यह भी स्पष्ट है कि प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। मैं कई बार यह बात कह चुका हूं।''

गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने नई दिल्ली में कहा, ''आप प्रवर्तन निदेशालय (की 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कार्रवाई) की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं। ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होगा।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ज्वलंत प्रश्न

होते हैं डेमोक्रेसी में,
अधिकार सभी के ही समान।
ना जाति वर्ग से होता है,
नीचा-ऊंचा लघु या महान।
वोटों के लालच में फिर क्यों,
इंसानों को देते निशान।
है कौन दलित सचमुच में अब,
इस पर लाओ बिल या विधान।।

पोप फ्रांसिस का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेटिकन सिटी/एपी। अपने विनम्र स्वभाव और गरीबों के प्रति चिंता एवं करूणा का भाव रखने वाले तथा एक सहृदय पोप के रूप में विश्व पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले कैथोलिक समुदाय के पहले लैटिन अमेरिकी पादरी, पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे।

फ्रांसिस के निधन के बाद अब सप्ताह भर चलने वाली वह प्रक्रिया शुरू हो गई, जिसमें लोग उनके अंतिम दर्शन कर सकेंगे। सबसे पहले, सेंट मार्टा चैपल में

वेटिकन के अधिकारी और फिर सेंट पीटर्स में आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद, कार्डिनल्स कॉलेज के डीन कार्डिनल जियोवनी बैटिस्टा रे द्वारा उनका अंत्येष्टि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और नये पोप को चुनने के लिए एक बैठक होगी। पोप के निधन की घोषणा के बाद, पूरे रोम में चर्च के टावर के घंटे बजने लगे।

कार्डिनल केविन फेरेल ने फ्रांसिस के निधन की घोषणा डोमस सेंट मार्टा के चैपल से की, जहां फ्रांसिस रहते थे।

कार्डिनल फेरेल वेटिकन के कैमरलेंगो हैं। कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा के लिए अधिकृत होते हैं।

फेरेल ने घोषणा की, ''रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस आज सुबह 7.35 बजे (प्रभु)यीशु के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन प्रभु यीशु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित रहा।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (पोप ने) हमें निष्ठा, साहस और सार्वभौम प्रेम के ईसोपदेश के मूल्यों के साथ जीना सिखाया, विशेष रूप से सबसे गरीब और हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए।''

मोतीलाल मुणोत कप के खिलाड़ियों की हुई नीलामी

कांठा प्रांत स्कॉलरशिप योजना का हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा कांठा प्रांत के युवाओं की नेटवर्किंग बढ़ाने एवं उनकी खेल प्रतिभा को निखारने के उद्धेश्य से प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता के सीज़न 7 की शुरुआत खिलाड़ियों के नीलामी कार्यक्रम के साथ हुई। शहर के रिसोर्ट में आयोजित इस खिलाड़ी नीलामी कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने सभी खिलाड़ियों से खेल की भावना के साथ खेलने का अनुरोध किया। प्रतियोगिता महेंद्र मुणोत के मुख्य प्रायोजन, ललित गांधी के फूड प्रायोजन, उत्तमचंद कोठारी के ऑक्शन प्रायोजन, विनोद चाणोदिया के जर्सी प्रायोजन, गुलाबदेवी कटारिया के पारितोषिक प्रायोजन, उत्तमचंद भलगट के गिफ्ट प्रायोजन, वसंतराज पितलिया के वेन्यू प्रायोजन एवं अमरचंद डागा के हिट-ए-सिक्स प्रायोजन में आयोजित की जा रही है।

केपीपीएल सीजन 7 के संयोजक विजय गुगलिया ने बताया कि 22 से 24 मई तक बीईएल ग्राउंड व रेलवे ग्राउंड में आयोजित प्रतियोगिता में गणेशमल गुगलिया की गणेश टाइटन, ताराचंद गुगलिया की गुगलिया मैवेरिक्स, मोहनलाल सिंघवी की एचएमपी सिंघवी किंग्स, ताराचंद सहलोत की पीजे चैलेंजर्स, ज्ञानचंद कटारिया की प्राचीन क्राफ्टर्स, मंजू कोठारी की रॉयल कोठारिस, धर्मीचंद डंक की श्री स्ट्राइकर्स एवं महावीर गांधी की वर्धमान ड्रीम टीम कुल 11 टीमें भाग ले रही हैं। इस मौके पर जर्सी के साथ विजेता ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। इस दौरान कांठा प्रांत बेंगलूरु ने ज़रूरतमंद विद्यार्थियों के लिए श्रीपालकुमार खिंवेसरा परिवार के प्रायोजन से कांठा प्रांत एज्यूकेशन स्कॉलरशिप योजना का शुभारंभ किया। नीलामीकर्ता दीपक धोका ने नीलामी प्रकिया का संचालन व अन्य संचालन महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

आर्ट ऑफ इमिसंग पर त्रिदिवसीय सर्टिफाइड कोर्स का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ लेडीज़ विंग एवं केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को आदर्श कॉलेज में मंच संचालन की कला सिखाने एवं सार्वजनिक रूप से संवाद बोलने के कौशल को निखारने हेतु आर्ट ऑफ एमसिंग' त्रिदिवसीय सर्टिफाइड कोर्स का आयोजन हुआ। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड़ एवं सहप्रशिक्षिका नेहा चौधरी ने 25 से अधिक प्रतिभागियों को मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति, दर्शकों से जुड़ाव, माइक पर सटीक बोलने की विधि, प्रोग्राम की प्रभावी शुरुआत, आई कॉन्टेक्ट बनाए रखने तथा बोलने के दौरान उत्पन्न भय या झिझक को दूर करने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया। इमेज कंसल्टेंट लताशा भंडारी एवं मेकअप आर्टिस्ट नम्रता जैन ने स्वयं का प्रस्तुतिकरण, व्यक्तिगत ग्रूमिंग एवं सौंदर्य प्रसाधन के प्रयोग पर उपयोगी टिप्स साझा किए। साथ ही, अनुभवी एंकर अमित सिंघवी, बिंदु मेहता, नंदा बाफना एवं ज्योति कोटेचा ने पैनल चर्चा के माध्यम से एंकरिंग की बारीकियों और व्यावहारिक अनुभव समझाए। लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने संचालन किया। संयोजिका मीना बडेरा व सहसंयोजिका संगीता नागोरी ने प्रशिक्षकों का परिचय दिया।

समापन समारोह में जीतो नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, अपेक्स हाउसहोल्ड मॉडल संयोजिका बिंदू रायसोनी, केकेजी ज़ोन संयोजिका पिंकी जैन, लेडीज साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, लेडीज़ विंग संयोजक नेमीचंद दलाल एवं जीतो यूथ के मंत्री आशीष टपरावत ने सभी प्रशिक्षुओं को एमसी क्यू कार्ड प्रदान किए। इस अवसर पर आदर्श कॉलेज के अध्यक्ष पदमराज मेहता एवं सचिव जीतेंद्र मरड़िया की विशेष उपस्थिति रही। इसके अलावा जीतो संबंधित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। संयोजिका मीना बडेरा ने धन्यवाद दिया।

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ एवं बेंचस् का हुआ उद्घाटन

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ एवं बेंच उद्घाटन समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस पार्क में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ एवं बेंचस् का उद्घाटन राजाजीनगर के विधायक सुरेशकुमार, बसवेश्वनगर के पार्षद पद्मराज द्वारा किया गया। विधायक सुरेशकुमार ने कन्या सुरक्षा आयाम की प्रशंसा की और कन्याओं की सुरक्षा हेतु बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की प्रेरणा दी। पार्षद पदमराज ने कन्याओं को समाज के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अभातेमंम से कर्नाटक प्रभारी लता जैन, मधु कटारिया, संतोष वेदमूथा व कन्या सुरक्षा योजना की राष्ट्रीय संयोजिका अर्चना भंडारी ने भी अपने विचार रखे। सीतादेवी लादूलाल पितलिया परिवार का सहयोग रहा। इस मौके पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कन्यामण्डल की भी अच्छी सहभागिता रही।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। संयोजिका सरिता संचेती एवं संगीता सुराना ने कार्यक्रम का संयोजन किया। उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने आभार प्रकट किया।

सरकार 15 मई से हर महीने बेरोजगारी के आंकड़े जारी करेगी: अधिकारी

मुंबई/भाषा। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि सरकार 15 मई से बेरोजगारी के आंकड़े तिमाही आधार पर जारी करने के बजाय मासिक आधार पर जारी करना शुरू करेगी। अधिकरी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 15 मई को जारी होने वाले आंकड़ों में जनवरी, फरवरी और मार्च के आंकड़े शामिल होंगे और उसके बाद हर महीने के आंकड़े जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''पहले तीन महीनों के लिए हम 15 मई को आंकड़े जारी करेंगे। यह पहली बार है जब हम ऐसा कर रहे हैं।'' अभी तक शहरी बेरोजगारी के आंकड़े तिमाही आधार पर जारी किये जाते रहे हैं और ग्रामीण तथा शहरी बेरोजगारी के संयुक्त आंकड़े सालाना आधार पर दिए जाते हैं। अधिकारी ने कहा कि आंकड़ा संग्रह सांख्यिकीय रूप से मजबूत और सही स्थिति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सोना 1,650 रुपए की छलांग के साथ एक लाख रुपए के पास

नई दिल्ली/भाषा। कमजोर डॉलर और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध को लेकर अनिश्चितताओं के चलते मांग बढ़ने से राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,650 रुपए की तेजी आई, जिससे इसका भाव एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार को 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। शुक्रवार को इसका मूल्य 20 रुपए घटकर 98,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,600 रुपए उछलकर 99,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह मामूली गिरावट के साथ 97,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की कीमत पिछले वर्ष 31 दिसंबर से अबतक 20,850 रुपए या 26.41 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम बढ़ चुकी हैं। चांदी की कीमतें भी 500 रुपए चढ़कर 98,500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। पिछले सत्र में चांदी 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर सपाट बंद हुई थी। कोटक महिंद्रा एएमसी के कोष प्रबंधक सतीश डोंडापति ने कहा, इस साल, व्यापार तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कमजोर डॉलर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखा गया है।

महिंद्रा समूह ने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में नेतृत्व स्तर पर फेरबदल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा समूह ने सोमवार को अपने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में नेतृत्व स्तर पर फेरबदल की घोषणा की। इसमें हेमंत सिक्का को महिंद्रा लॉजिस्टिक्स (एमएलएल) का प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। सिक्का फिलहाल, कृषि उपकरण खंड के अध्यक्ष हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वर्तमान में वाहन खंड के अध्यक्ष विजय नाकरा को कृषि उपकरण कारोबार (एफईबी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाएगा। वाहन प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास खंड के अध्यक्ष आर वेलुसामी को वाहन कारोबार (एबी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाएगा। एमएंडएम के समूह सीईओ और एमडी अनीश शाह ने कहा, नेतृत्व में ये बदलाव सुनिश्चित करते हैं कि हमारे पास हमारे प्रमुख कारोबार खंडों के शीर्ष पर मजबूत नेतृत्व है। उनका अनुभव हमें महत्वपूर्ण वृद्धि को आगे बढ़ाने और हमारे ग्राहकों एवं शेयरधारकों के लिए अधिक मूल्य बनाने में सक्षम करेगा। सिक्का ने महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के कृषि उपकरण खंड (एफईएस) के अध्यक्ष के अपने वर्तमान पद से इस्तीफा दे दिया है, जो चार मई, 2025 से प्रभावी होगा। महिंद्रा लॉजिस्टिक्स (एमएलएल) के निदेशक मंडल ने सिक्का को एमडी और सीईओ नियुक्त किया है। बयान में कहा गया है कि मौजूदा सीईओ राम स्वामीनाथन ने अन्य व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। बयान में कहा गया है कि नाकरा को कृषि उपकरण कारोबार (एफईबी) का अध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। वह 1995 में एमएंडएम में शामिल हुए थे और उनके पास सफल पेशकश के साथ वाहन व्यवसाय में बदलाव लाने का एक मजबूत 'ट्रैक रिकॉर्ड' है।

गुजरात के जामनगर में वायुसेना हेलीकॉप्टर आपात स्थिति में उतरा

जामनगर/भाषा। गुजरात के जामनगर जिले में सोमवार को भारतीय वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर को एक बांध के पास आपात स्थिति में उतरना पड़ा। पुलिस ने यह जानकारी दी। वैसे तो यह तत्काल पता नहीं चल पाया कि हेलीकॉप्टर में कितने लोग सवार थे, लेकिन पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख डेलू ने इस बात की पुष्टि की है कि कोई भी हताहत नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक हेलीकॉप्टर जामनगर वायुसेना स्टेशन से 22 किलोमीटर दूर रंगमती बांध के समीप चंगा गांव के बाहरी इलाके में पूर्वाह्न करीब 11 बजे आपात स्थिति में उतरा। डेलू ने कहा, '' रंगमती बांध के पास कुछ दिक्कतों के चलते भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में उतरना पड़ा। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।''

रामबन में बादल फटने के बाद राहत कार्यों के लिए सेना ने संभाला मोर्चा, लोगों को पहुंचाई मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रामबन जिले में बादल फटने और भारी वर्षा होने के बाद भारतीय सेना ने प्रभावित नागरिकों की मदद करने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर संपर्क बहाल करने के लिए त्वरित और समन्वित राहत एवं बहाली अभियान शुरू किया है।

जमीनी स्थिति का आकलन करने के बाद, सेना ने जिला आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और यातायात अधीक्षक सहित नागरिक प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय में तत्काल कार्रवाई शुरू की। हालांकि कोई आपातकालीन मांग नहीं की गई। कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर सेना की मदद ली जाएगी। फंसे हुए यात्रियों को राहत देने के लिए बनिहाल, कराचियाल, डिगडौल, मैत्रा और चंद्रकोट से त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) को तेजी से तैनात किया गया। सेना के जवानों ने चाय और गर्म भोजन वितरित किया। उन्होंने अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराकर तथा जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सेवा पहुंचाकर बहुत मदद की।

मदद के लिए आठ सैन्य टुकड़ियां प्रमुख स्थानों पर स्टैंडबाय पर हैं। इस बीच, केआरसीएल, सीपीपीएल और डीएमआर सहित असैन्य निर्माण कंपनियों के जेसीबी और भारी उपकरणों ने बाधित राजमार्ग पर सफाई कार्य शुरू कर दिया है।

शुरुआती आकलन के अनुसार, सड़क साफ करने और उसे बहाल करने में 48 घंटे तक का समय लग सकता है। चुनौतियों के बावजूद, लोगों की भावना अडिग बनी हुई है। वहां फंसे हुए एक शख्स से जब स्थिति के बारे में पूछा गया तो उसने आत्मविश्वास से जवाब दिया, 'कोई दिक्कत नहीं है। भारतीय सेना है न ... सब ठीक हो जाएगा।' भारतीय सेना जम्मू-कश्मीर के निवासियों के साथ खड़ी रहने तथा उनकी सुरक्षा, समर्थन और समय पर मदद सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का आधार: कुरैशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के ''मुस्लिम आयुक्त'' वाले बयान पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस वाई कुरैशी ने सोमवार को कहा कि वह भारत को लेकर ऐसी अवधारणा में विश्वास करते हैं, जहां व्यक्ति की पहचान उसके योगदान से होती है।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद दुबे के बयानों पर पलटवार करते हुए यह भी कहा कि ''कुछ लोगों के लिए, धार्मिक पहचान उनकी नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का मुख्य आधार है।'' कुरैशी ने कहा कि भारत हमेशा अपनी संवैधानिक संस्थाओं और सिद्धांतों के लिए खड़ा रहा, खड़ा है और खड़ा रहेगा तथा लड़ता रहेगा। कुरैशी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैंने निर्वाचन आयुक्त के संवैधानिक पद पर अपनी सर्वोत्तम क्षमता से काम किया और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में मेरा लंबा एवं संतोषजनक कॅरियर रहा। मैं भारत को लेकर ऐसी अवधारणा में विश्वास करता हूं, जहां व्यक्ति को उसकी प्रतिभा और योगदान से परिभाषित किया जाता है, न कि उसकी धार्मिक पहचान से।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान उनकी नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का मुख्य आधार है। भारत हमेशा अपनी संवैधानिक संस्थाओं और सिद्धांतों के लिए खड़ा रहा और खड़ा रहेगा, लड़ता रहेगा।''

उद्धव ठाकरे 'आधुनिक दुर्योधन' : शिवसेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। शिवसेना ने सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को ''आधुनिक दुर्योधन'' करार दिया और उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने चचेरे भाई राज ठाकरे को बाल ठाकरे की अविभाजित शिवसेना में कभी उभरने नहीं दिया।

शिवसेना प्रवक्ता और ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि उद्धव ठाकरे का मनसे प्रमुख राज ठाकरे के प्रति हालिया झुकाव, शिवसेना (यूबीटी) के घटते मतदाता आधार के मद्देनजर, प्रासंगिक बने रहने की उनकी हताशा को दर्शाता है।

यह तीखी आलोचना अलग हुए चचेरे भाइयों उद्धव और राज ठाकरे द्वारा दिए गए उन बयानों के बाद आई है, जिसने संभावित सुलह के बारे में अटकलें तेज कर दी हैं। इन बयानों में उन्होंने संकेत दिया कि वे तुच्छ मुद्दों को नजरअंदाज कर सकते हैं और अलग होने के लगभग दो दशक बाद हाथ मिला सकते हैं।

म्हस्के ने आरोप लगाया, ''शिवसेना (यूबीटी) के पास भीड़ जुटाने वाले नेता नहीं हैं। इस अहसास ने उन्हें राज ठाकरे की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। पार्टी लोकसभा और राज्यसभा दोनों में अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है।''

उद्धव ठाकरे को आधुनिक दुर्योधन करार देते हुए म्हस्के ने कहा, ''उन्होंने अपने भाई राज ठाकरे को पार्टी में कभी आगे नहीं बढ़ने दिया, तब भी नहीं जब बालासाहेब ठाकरे ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने का प्रस्ताव दिया था। उद्धव ने इसका पुरजोर विरोध किया था।'' म्हस्के ने कहा कि राज ठाकरे शिवसेना (यूबीटी) के जाल में नहीं फंसेंगे। उन्होंने कहा, उन्हें अविभाजित शिवसेना से बाहर निकाल दिया गया था। अब वे चाहते हैं कि वह डूबते जहाज पर सवार हों- लेकिन राज भोले-भाले नेता नहीं हैं। उन्होंने वक्फ अधिनियम पर शिवसेना (यूबीटी) के रुख का हवाला देकर उसपर हिंदुत्व को लेकर ''दोहरे मानदंड'' अपनाने का भी आरोप लगाया।

म्हस्के ने आरोप लगाया, उन्होंने वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन नहीं किया। वे राजनीतिक लाभ के लिए कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को शिक्षण माध्यम के रूप में पेश करने का भी विरोध कर रहे हैं। हिंदी कक्षा 5 के बाद पहले से ही पढ़ाई जाती है। वे केवल वोट के लिए माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।'' म्हस्के ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें एक ऐसा नेता बताया, जो देश के बाहर बयान देते हैं, लेकिन संसद में महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) झूठी कहानियां गढ़ रही है, क्योंकि वे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बढ़ती लोकप्रियता से घबरा गए हैं।

कांग्रेस ने अमेरिका में राहुल के बयान का बचाव किया, कहा-पहले से ही सार्वजनिक हैं उनकी बातें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा ने सोमवार को पार्टी नेता राहुल गांधी का बचाव किया, जिन्हें अमेरिका में निर्वाचन आयोग के बारे में उनकी कथित टिप्पणी के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'देशद्रोही' करार दिया है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी पर पलटवार करते हुए शैलजा ने आरोप लगाया कि विदेशी धरती पर देश को बदनाम और विपक्षी दलों की आलोचना करने का काम सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

राजधानी भोपाल स्थित कांग्रेस कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में सवालों का जवाब देते हुए शैलजा ने कहा कि राहुल गांधी पर आरोप लगाना और उन्हें 'देशद्रोही' बताना भाजपा की पुरानी आदत है। उन्होंने कहा, मैं याद दिलाना चाहूंगी कि सबसे पहले खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बातें बाहर कहना शुरू कीं। उन्होंने विदेश में देश के अंदर की राजनीतिक बातें कहीं, विपक्ष को हमेशा अपमानित किया। यह तो 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली बात हुई।

अमेरिका का दौरा कर रहे राहुल ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और प्रणाली में कुछ गड़बड़ है।

भाजपा ने कांग्रेस नेता की इस कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें 'देशद्रोही' करार दिया और उन पर 'नेशनल हेराल्ड' मामले में प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई की भड़ास निर्वाचन आयोग पर निकालने का आरोप लगाया।

शैलजा ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी ने जो बातें कही हैं, वह पहले से ही सार्वजनिक है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बार-बार यह कहना कि राहुल गांधी ने देश का अपमान किया है, बिलकुल गलत है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, देश का अपमान तब होता है, जब संविधान के साथ खिलवाड़ किया जाता है और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से भारत के प्रधान न्यायाधीश पर की गई टिप्पणी भी इसका एक उदाहरण है।

शैलजा ने कहा कि जिस न्यायपालिका ने देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई, उस पर भाजपा के एक सांसद ने 'लांछन' लगाने का काम किया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा देश के सामने मौजूद ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने और लोगों को गुमराह करने के लिए 'नेशनल हेराल्ड' मामले को तूल दे रही है। उन्होंने कहा, यह राजनीतिक प्रतिशोध की एक साजिश है और ईडी ने इसी के तहत सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

शैलजा ने कहा कि पहली बार पैसों या संपत्ति के हस्तांतरण के बिना धन शोधन का मामला बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को जवाब देना चाहिए की उसने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के किसी सहयोगी या भाजपा नेता पर कार्रवाई क्यों नहीं की?

शैलजा ने आरोप लगाया कि सरकार ने ईडी को अपना 'चुनावी विभाग' बना लिया है और बदले की भावना से इसका बार-बार दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि ईडी की ओर से दर्ज मामलों में सजा की दर सिर्फ एक प्रतिशत है और इसके अलावा उसने जो राजनीतिक मामले दर्ज किए हैं, उनमें से 98 प्रतिशत सत्ताधारी पार्टी के राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के खिलाफ हैं।

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश का सोमवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ बेंगलूरु में अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे कार्तिकेश ने मुखाग्नि दी। ओम प्रकाश की उनकी पत्नी और बेटी ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी। पूर्व डीजीपी के रिश्तेदार और मित्र उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठा हुए। बंदूकों की सलामी के बाद विल्सन गार्डन श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम संस्कार के बाद कार्तिकेश ने संवाददाताओं से कहा, ''कल की घटना के बाद मैंने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अपना काम कर रही है और मुझे उन पर पूरा भरोसा है। मैं आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि जांच में सब कुछ

सामने आ जाएगा। इसका इंतजार करना चाहिए।'' सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की उनकी पत्नी पल्लवी और बेटी कृति ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। कार्तिकेश की शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बिहार के चंपारण के मूल के निवासी प्रकाश ने भूविज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की थी और एक मार्च 2015 को उन्हें पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

पत्नी ने पूर्व डीजीपी प्रकाश को चाकू मारने से पहले उनके चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंका था : सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या के मामले की जांच कर रही पुलिस को पता चला है कि पूर्व डीजीपी की पत्नी पल्लवी ने कथित तौर पर उन्हें चाकू मारने से पहले उनके चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंका था। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने घटना के सिलसिले में ओम प्रकाश की पत्नी पल्लवी और बेटी कृति को मुख्य संदिग्ध के तौर पर गिरफ्तार कर लिया है।

बिहार के रहने वाले 1981 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ओम प्रकाश रविवार को बेंगलूरु स्थित अपने आवास में मृत पाए गए थे। उनका शव एचएसआर लेआउट स्थित उनके तीन मंजिला आवास के भूतल पर खून से लथपथ मिला।

सूत्रों ने कहा, तीखी बहस के बाद पल्लवी ने प्रकाश के चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंक दिया था।

सूत्रों ने बताया कि प्रकाश जलन के कारण इधर-उधर भागने लगे, तभी पल्लवी ने उन पर चाकू से कई वार किए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद पल्लवी ने अपने दोस्त को 'वीडियो कॉल' किया और कहा, ''मैंने राक्षस को मार दिया है।''

सूत्रों के अनुसार, दंपति के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था।

यह भी बताया जा रहा है कि इस अपराध के पीछे की एक वजह कर्नाटक के दांदेली में स्थित एक जमीन को लेकर विवाद भी था।

पल्लवी ने कुछ महीने पहले एचएसआर लेआउट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

सूत्रों ने दावा किया कि जब वहां के पुलिसकर्मियों ने उसकी बात नहीं मानी तो उसने पुलिस थाने के सामने धरना दिया था।

जांच में यह भी पता चला है कि पल्लवी को 'सित्जोफ्रेनिया' (एक गंभीर किस्म का मानसिक विकार) नामक बीमारी थी और वह उसकी दवा भी ले रही थी।

प्रकाश बिहार के चंपारण के मूल निवासी थे। उन्हें एक मार्च 2015 को कर्नाटक का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

'लॉस ऑफ कंसोर्टियम' के तहत मुआवजे के लिए वयस्क संतान भी हकदार: कर्नाटक उच्च न्यायालय

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने माना है कि 'लॉस ऑफ कंसोर्टियम' के तहत मुआवजे के लिए न केवल पति या पत्नी, बल्कि मृतक के कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में वयस्क बच्चे भी मुआवजे के हकदार होते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि मुआवजे का यह रूप किसी व्यक्ति की असामयिक मृत्यु के बाद पैदा होने वाले भावनात्मक और पारिवारिक शून्य की भरपाई के लिए होता है। 'लॉस ऑफ कंसोर्टियम' (साहचर्य की हानि) का मतलब है दुर्घटना में किसी व्यक्ति के घायल या मृत्यु होने के कारण उसके पति/पत्नी या परिवार के सदस्य को उसके साथ बिताए गए संबंधों, स्नेह, देखभाल, और समर्थन से वंचित होना।

आमतौर पर, जब सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति को गंभीर चोटें आती हैं या वह मरणासन्न हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार के सदस्य, विशेष रूप से पति/पत्नी 'लॉस ऑफ कंसोर्टियम' के लिए क्षतिपूर्ति का दावा कर सकते हैं। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति सी एम जोशी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मारे गए सुभाष नामक व्यक्ति की पत्नी और दो वयस्क बेटे 'लॉस ऑफ कंसोर्टियम' श्रेणी के तहत 52-52 हजार रुपए के हकदार हैं, जिससे कुल राशि 1.56 लाख रुपए हो जाती है। कलबुर्गी निवासी सुभाष की 7 अप्रैल, 2019 को उस समय मौत हो गई थी, जब एक वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। वह अपने पोते के साथ मंदिर से घर लौट रहे थे। शुरुआत में, 18 मार्च, 2021 को कलबुर्गी में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 10.30 लाख रुपए का मुआवज़ा देने का आदेश दिया था। सुभाष की पत्नी को आश्रित के रूप में मुआवजा मिला, वहीं उनके दो बेटों के दावों को इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और इसलिए उन्हें आश्रित नहीं माना जा सकता। न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देते हुए, परिवार ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और दलील दी कि मुआवजा अपर्याप्त था और निर्णय लेने में सुभाष की 15,000 रुपए की वास्तविक मासिक आय पर सही ढंग से विचार नहीं किया गया था।

भ्रष्टाचार मामला : येड्डीयुरप्पा की याचिका पर न्यायालय ने बड़ी पीठ को भेजा मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भाजपा नेता बी एस येड्डीयुरप्पा की याचिका से उत्पन्न कानूनी मुद्दों को बड़ी पीठ के पास भेज दिया। इसमें यह सवाल भी शामिल है कि मजिस्ट्रेट अदालत के जांच के आदेश के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता है या नहीं।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 4 अप्रैल को येड्डीयुरप्पा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले को फिर से शुरू करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। हालांकि, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने सोमवार को कहा कि जब पीठ ने फैसला लिखना शुरू किया तो उन्हें 16 अप्रैल, 2024 का एक आदेश मिला, जिसमें एक अन्य पीठ ने एक अलग मामले में इसी तरह के सवालों को एक बड़ी पीठ को भेजने का आदेश दिया था। उन्होंने ''न्यायिक मर्यादा'' के सिद्धांत का उल्लेख किया और कहा कि केवल इसी पहलू पर येड्डीयुरप्पा की याचिका को बड़ी पीठ गठित करने के लिए प्रधान न्यायाधीश के पास भेजा जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने कहा, ''हम इन याचिकाओं को संदर्भित मामले मंजू

सुराणा बनाम सुनील अरोड़ा से जोड़ना उचित समझते हैं। रजिस्ट्री को इन मामलों को प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखने का निर्देश दिया जाता है।'' पीठ ने स्पष्ट किया कि यह संदर्भ केवल औचित्य के आधार पर है तथा उसने वृहद पीठ के समक्ष निर्णय के लिए सात प्रश्न सूचीबद्ध किए। उच्च न्यायालय ने 5 जनवरी, 2021 को बेंगलूरु के ए आलम पाशा की याचिका को स्वीकार कर लिया और येड्डीयुरप्पा, पूर्व उद्योग मंत्री मुरुगेश आर निरानी तथा कर्नाटक उद्योग मित्र के पूर्व प्रबंध निदेशक शिवस्वामी केएस के खिलाफ उनकी शिकायत पर कार्यवाही फिर से शुरू कर दी। पाशा ने येड्डीयुरप्पा, निरानी और शिवस्वामी केएस के खिलाफ भ्रष्टाचार एवं आपराधिक साजिश के आरोप लगाए हैं। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन के लिए पूर्व अनुमति न होने के कारण पहले की शिकायत रद्द हो जाती है, लेकिन इससे आरोपी के पद छोड़ने के बाद नई शिकायत दर्ज करने पर रोक नहीं लगती। हालांकि, इसने मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और राज्य सरकार के पूर्व प्रधान सचिव वी पी बलिगर के खिलाफ अभियोजन चलाने की अनुमति नहीं दी।

विजयन ने केंद्र सरकार पर केरल के प्रति नकारात्मक रुख अपनाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह दक्षिणी राज्य का 'विनाश' देखना चाहती है और राज्य के अस्तित्व को बचाने के प्रयासों के प्रति नकारात्मक रुख अपना रही है।

विजयन ने कहा कि राज्य को हाल के दिनों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें सदी की सबसे भीषण बाढ़ और वायनाड में भूस्खलन की त्रासदी शामिल है। मुख्यमंत्री ने केरल के कासरगोड जिले में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान कहा कि केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राज्य को संकट के समय में सहारा दे और उसे संभालने में मदद करे, लेकिन दुर्भाग्यवश उसने किसी भी स्तर पर केरल को कोई सहायता नहीं दी। उन्होंने आरोप लगाया, केंद्र ने राज्य के प्रति पूरी तरह से नकारात्मक रुख अपनाया है। उसने अपनी शक्ति का इस्तेमाल करके दूसरों द्वारा दी जा रही सहायता को भी रोकने की कोशिश की। विजयन ने आरोप लगाया, केंद्र की सोच यह थी कि केरल टूट जाए तथा और भी बर्बाद हो जाए। वामपंथी नेता ने कहा कि जब कुछ साल पहले केरल में भयंकर बाढ़ आई थी, तब पूरी दुनिया को चिंता थी कि केरल इस तबाही से कैसे उबरेगा, लेकिन जिस तरह केरल ने उस संकट का सामना किया और उससे उबरा, उसने न सिर्फ देश को, बल्कि पूरी दुनिया को चौंका दिया। उन्होंने कहा, हम इस संकट से कैसे उबर पाए? इसका एक ही कारण है हमारे राज्य और लोगों की एकता। यही हमारी ताकत बन गई है, जो हमें हर मुश्किल और चुनौती का सामना करने की शक्ति देती है। विजयन ने कहा, हालांकि केंद्र सरकार ने केरल के 'विनाश' की कामना की और इसके लिए नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया, फिर भी केरल नहीं टूटा।

केरल के कोल्लम में एक व्यक्ति ने अपने घर में आग लगाई और फिर कर ली आत्महत्या

कोल्लम (केरल)/भाषा। दक्षिण केरल में कोल्लम जिले के अंचल में एक व्यक्ति ने अपने घर में आग लगा दी और फिर फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान, अलंचेरी निवासी 56 वर्षीय विनोद के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि विनोद का रविवार रात को अपनी पत्नी और अन्य परिजनों से झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने गैस सिलेंडर चालू कर घर में आग लगा ली। विनोद के परिवार के सदस्य किसी तरह बच निकलने में सफल रहे। पुलिस ने बताया कि स्थानीय निवासियों के अनुसार कि घटना के समय विनोद संभवतः शराब के नशे में था। पुलिस के मुताबिक सिलेंडर में आग लगने के बाद हुए विस्फोट से घर पूरी तरह नष्ट हो गया। क्षेत्र के निवासियों ने आग के बारे में अधिकारियों को सूचित किया। विनोद के शव को पोस्टमार्टम के लिए पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। येरूर पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

मुथलापोजी बंदरगाह विवाद: केरल के मंत्री ने विपक्ष पर षडयंत्र रचने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सोमवार को विपक्ष पर मुथलापोज़ी मछुआरा गांव में जानबूझकर तनाव फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित साजिश है, जिसके जरिए मछुआरों को गुमराह किया जा रहा है।

हाल के दिनों में मुथलापोजी बंदरगाह में रेत के जमाव से 'एस्टुअरी' के अवरुद्ध होने को लेकर मछुआरे और श्रमिक संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। मंत्री ने एक बयान में कहा कि मंत्रालय की हालिया बैठक में सरकार रेत हटाने का फैसला कर चुकी है।

उन्होंने बताया कि कन्नूर से एक बड़ी ड्रेजर मशीन समुद्र मार्ग से बृहस्पतिवार तक मुथलापोज़ी पहुंच जाएगी। वर्तमान में उपलब्ध ड्रेजर और मशीनों से रेत हटाने का काम पहले से जारी है।

शिवनकुट्टी ने चेताया कि यदि सैंडबार (रेत की पट्टी) को नहीं हटाया गया, तो समुद्र स्तर से नीचे स्थित चार-पांच पंचायतों में बाढ़ की आशंका बन सकती है। उन्होंने कहा, इसलिए सैंडबार को हटाना जरूरी है... इसके खिलाफ कार्य करना जनविरोधी कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि मुथलापोजी बंदरगाह के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 177 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है और इससे जुड़ी निविदा प्रक्रिया जारी है। इस परियोजना की शुरुआत के लिए, वहां जमी रेत को हटाना अनिवार्य है। इससे पहले बृहस्पतिवार को स्थानीय मछुआरों ने सैंडबार को हटाने के राज्य सरकार के प्रयास का विरोध किया था। प्रदर्शनकारी मछुआरों का कहना है कि अप्रभावी ड्रेजिंग और रेत के जमाव के कारण मछली पकड़ना बेहद कठिन हो गया है, जिससे रोज़गार पर असर पड़ा है। मुथलापोज़ी, पेरुमाथुरा में स्थित है जहां से वामनापुरम नदी और कडिनमकुलम झील अरब सागर में मिलती हैं।

बेंगलूरु में वायुसेना के अधिकारी के साथ मारपीट, अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बेंगलूरु में सोमवार सुबह कन्नड़ भाषा बोलने वाले कुछ लोगों ने भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी पर कथित तौर पर हमला किया और उनके साथ गाली-गलौज भी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने बाइक से उनका पीछा भी किया।

पुलिस के अनुसार, यह घटना उस दौरान हुई जब अधिकारी अपनी पत्नी के साथ हवाई अड्डे जा रहे थे। उनकी पत्नी भी वायु सेना में अधिकारी हैं। पुलिस ने बताया कि अधिकारी की पत्नी एवं 'स्क्वाड्रन लीडर' मधुमिता दत्ता की शिकायत के आधार पर बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

वायु सेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने आरोप लगाया कि दोपहिया वाहन पर उनका पीछा कर रहे कुछ लोगों ने उन (अधिकारी) पर हमला किया और उनके साथ गाली-गलौज भी की। शिलादित्य बोस ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर इस घटना का वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने घटनाक्रम का विवरण दिया और अपने चेहरे एवं गर्दन पर लगी चोट के निशान दिखाए। उनके चेहरे एवं गर्दन से खून बहता हुआ नजर आ रहा था। उन्होंने वीडियो में आरोप लगाया, ''हम डीआरडीओ, सीवी रमन नगर फेज-1 में रहते हैं। आज सुबह मेरी पत्नी मुझे हवाई अड्डे छोड़ने जा रही थी तभी पीछे से एक बाइक सवार आया और उसने हमारे वाहन को रोका। मैं डैश कैम फुटेज भी साझा करूंगा। बाइक पर सवार एक व्यक्ति ने मुझे कन्नड़ भाषा में गाली देना शुरू कर दिया। उसने मेरी कार पर डीआरडीओ का स्टिकर देखने के बाद कहा कि ''तुम डीआरडीओ के लोग हो।'' इसके बाद उसने कन्नड़ में और गालियां दीं। इसके बाद उसने मेरी पत्नी को भी गालियां दीं। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका।'' बोस ने बताया, ''जब मैं कार से बाहर निकला तो उसने तुरंत अपनी चाबी से मेरे माथे पर प्रहार किया। मैं वहीं खड़ा होकर चिल्लाने लगा और मैंने उससे पूछा कि क्या लोग सेना या सुरक्षाबलों के किसी व्यक्ति के साथ ऐसा ही व्यवहार करते हैं। इसके बाद वहां और भी लोग इकट्ठा हो गए तथा वे भी हमें गाली देने लगे।'' उन्होंने बताया, ''उस व्यक्ति ने पत्थर उठाकर मेरी कार को नुकसान पहुंचाने की भी कोशिश की। जब मैंने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने मुझे फिर से मारा। आप मेरे चेहरे और गर्दन पर खून देख सकते हैं। यही हुआ। शुक्र है कि मेरी पत्नी मुझे बचाने के लिए वहां मौजूद थी।''

वित्त वर्ष 2024-25 : बीएचईएल ने मजबूत राजस्व वृद्धि और रिकॉर्ड ऑर्डर हासिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 27,350 करोड़ रुपए (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) का राजस्व हासिल किया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि है।

कंपनी ने वर्ष के दौरान 92,534 करोड़ रुपए के ऑर्डर हासिल किए, जो इसके द्वारा किसी वित्तीय वर्ष में हासिल किया गया अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इसके साथ ही, वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में बीएचईएल की कुल ऑर्डर बुक 1,95,922 करोड़ रुपए हो गई है। बीएचईएल ने विद्युत क्षेत्र में 81,349 करोड़ रुपए के ऑर्डर लेकर अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। उसने औद्योगिक क्षेत्र में 11,185 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर प्राप्त किए, जो परिवहन, रक्षा, प्रॉसेस इंडस्ट्रीज़ और औद्योगिक उपकरण जैसे क्षेत्रों में उपस्थिति को दर्शाता है। बीएचईएल ने 8.1 गीगावाट क्षमता के विद्युत संयंत्रों को कमीशन / सिंक्रोनाइज़

दोहरे अंकों में राजस्व वृद्धि, रिकॉर्ड ऑर्डर बुक और अनेक परियोजनाओं के साथ बीएचईएल वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूती के साथ रख रही है कदम

किया, जो परियोजना को पूरा करने और परिचालन दक्षता पर कंपनी के निरंतर फोकस को दर्शाता है।

दोहरे अंकों में राजस्व वृद्धि, रिकॉर्ड ऑर्डर बुक और अनेक परियोजनाओं के साथ, बीएचईएल वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूती के साथ कदम रख रही है। कंपनी ज्यादा प्रभाव डालने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने, स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने और हितधारकों को बेहतर मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध है।

केरल, सिक्किम, तमिलनाडु और असम के मुख्यमंत्रियों ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान का बड़ा समर्थक बताया। इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप, पोप फ्रांसिस का सोमवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

एक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि पोप फ्रांसिस अपने पीछे करुणा, समावेशिता और सामाजिक न्याय के प्रति गहन प्रतिबद्धता की विरासत छोड़ गए हैं। वामपंथी दिग्गज ने याद दिलाया कि उनकी विशेषता हाशिए पर पड़े समुदायों तक महत्वपूर्ण पहुंच, अंतर-धार्मिक संवाद और वैश्विक पूंजीवाद पर आलोचनात्मक रुख था। उन्होंने कहा, पोप फ्रांसिस गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के प्रबल समर्थक थे। वहीं सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने भी सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया। तमांग ने कहा, परम पूज्य पोप फ्रांसिस के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख

हुआ। उनकी गहन बुद्धिमत्ता, करुणा और शांति एवं एकता के लिए उनके अथक प्रयास ने दुनिया भर में अनगिनत लोगों के जीवन को प्रभावित किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें एक दयालु और प्रगतिशील व्यक्ति बताया। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुख हुआ, वह एक परिवर्तनकारी व्यक्ति थे।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया और चर्च में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए उनके प्रयासों को याद किया। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमें परम पूज्य पोप फ्रांसिस के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हो रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शक व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका जीवन गरीबों के लिए करुणा और दुनिया के लिए उम्मीद था।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सिद्दरामय्या ने कर्नाटक और दुनिया भर के ईसाई समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, शांति और करुणा के प्रतीक पोप फ्रांसिस के निधन से बेहद दुखी हूं। उनका जीवन गरीबों के लिए करुणा और दुनिया के लिए उम्मीद था। मैं कर्नाटक और पूरी दुनिया के ईसाई समुदाय

के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं।

पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

पोप फ्रांसिस प्रथम लैटिन अमेरिकी पोप थे और जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी।

अजमेर की पेयजल व्यवस्था होगी सुदृढ, 270 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि हम अजमेर को सुविकसित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। अजमेर उत्तर क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ बनाने के लिए नसीराबाद से नौसर पाईपलाइन तथा तीन सर्विस रिजर्वायर बनाने के लिए 270 करोड़ रूपए की महत्वपूर्ण परियोजना की वित्तीय स्वीकृति जारी हुई है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। इसके साथ ही अजमेर को शिक्षा, रोजगार, पर्यटन, खेल, सड़क और बिजली आदि के क्षेत्र में विकसित बनाने पर भी सैकड़ों करोड़ रूपए खर्च होंगे। इसके लिए योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से काम किया जा रहा है। आने वाले दिनों में अजमेर राज्य के बड़े शहरों की कतार में आगे खड़ा दिखेगा।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर में वार्ड 66 के सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में क्षेत्र में पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। उन्होंने वाचनालय, सीसी सड़कों, नालियों, झूलों और कुओं पर लोहे के जाल कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हरी नगर और दाता नगर स्थित पुराने कुओं पर सुरक्षा हेतु लगाए गए लोहे के जाल का लोकार्पण किया गया। वहीं, पार्क नंबर 2 सहित अन्य पार्कों में बच्चों के झूलों के पुनर्निर्माण कार्य को भी जनता को समर्पित किया गया। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 20 लाख रुपए की लागत से सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के पास डामर सड़क निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर में लंबे समय से पेयजल की समस्या रही है। हमने नई सरकार गठन होते ही इसके समाधान के लिए काम किया। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने पेयजल व्यवस्था के लिए नसीराबाद से नौसर तक पेयजल लाईन तथा कोटड़ा, पृथ्वीराज नगर एवं लोहागल में तीन सर्विस रिजर्वायर बनाने के लिए 270 करोड़ रूपए की घोषणा की। इस बजट घोषणा की पालना में वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है, जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हम विकसित और सुव्यवस्थित अजमेर बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। सड़क, पानी, बिजली, पर्यटन, रोजगार एवं अन्य क्षेत्रों में योजनाबद्ध ढ़ंग से काम किया जा रहा है। आने वाले समय में इसके शानदार परिणाम दिखाई देंगे।

राज्यपाल ने शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया शिक्षा व्यवसाय नहीं है, पवित्र कार्य है : हरिभाऊ बागडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित एक समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और शिक्षण संस्थाओं का सम्मान और अभिनंदन किया।

बागडे ने इस दौरान भारत के प्राचीन तक्षशिला, नालंदा, विक्रम विश्वविद्यालय आदि की चर्चा करते हुए कहा कि शैक्षिक क्षेत्र में आरम्भ से ही भारत विश्व भर में अग्रणी रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा व्यवसाय नहीं बल्कि पवित्र कार्य है। शिक्षा प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं का आह्वान किया कि वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए राष्ट्र को विश्व भर में अग्रणी बनाने का कार्य करे। उन्होंने आर्यभट्ट, पाणिनि, भास्कराचार्य आदि की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने वैज्ञानिक और जीवन व्यवहार, भाषा के जो सूत्र प्रदान किए, उसी को बाद में आधुनिक रूप में पश्चिम के देशों ने प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक क्षमता विकास के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के संबंध में नई पीढ़ी को जागरुक किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्व को सबसे पहले जीरो का ज्ञान भारत ने दिया इसी से अन्य देशों में गिनती की शुरुआत हुई।

सिविल सेवा में भ्रष्टाचार संघीय राजनीति के लिए खतरनाक : धनखड़

जयपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि निरंतर विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने में सिविल सेवा सर्वोपरि है, लेकिन इसमें भ्रष्टाचार संघीय राजनीति के लिए खतरनाक है।

जयपुर में 'फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज' (फोर्टी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र के शासन में, सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिविल सेवक विकास की दिशा तय करते हैं। सिविल सेवक नीतियों को जमीनी हकीकत में बदलने का माध्यम होते हैं।

धनखड़ ने आज सिविल सेवा दिवस के अवसर पर देश के सभी सिविल सेवकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, अलग-अलग दल अलग-अलग प्रांतों में शासन करते हैं, जिससे सिविल सेवा की अहमियत और भी बढ़ जाती है।'' उन्होंने सिविल सेवकों को ''संघवाद के वास्तविक प्रहरी और रक्षक'' बताते हुए कहा कि इस दिन पर सिविल सेवकों को व्यवस्थित और नियमानुसार कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यदि सिविल सेवक राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं या उद्योग, व्यापार, व्यवसाय और वाणिज्य के चुनिंदा लोगों के साथ गठजोड़ करते हैं तो इससे सम्पूर्ण व्यवस्था कमजोर हो जाती है। सिविल सेवा का यह अनुचित मेल संघीय व्यवस्था के लिए भी अत्यंत खतरनाक है।''

आशीर्वाद

जैसवाल जैन समाज द्वारा निर्मित श्री जिनशासन तीर्थ क्षेत्र अजयनगर, अजमेर में रविवार से पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस तिहासिक आध्यात्मिक आयोजन में देशभर से धर्मानुरागी बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं। 41 साधु-साध्वियों के दिव्य सान्निध्य में चल रहे महोत्सव में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा एवं विधायक श्रीमती अनिता भदेल ने महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पुण्य अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने आचार्य वसुंनंदी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर जैन धर्म के तप, त्याग और अहिंसा के मूल्यों की सराहना की। डॉ बैरवा ने श्री जिनशासन तीर्थ क्षेत्र के निर्माण और आयोजन को समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया तथा जैसवाल जैन समाज को इस भव्य महोत्सव के आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाराज श्री के प्रवचनों से जीवन में आध्यात्मिकता की वृद्धि होगी, साथ ही समस्त धर्म प्रेमियों के मन शुद्ध होंगे। अजमेर दक्षिण विधायक श्रीमती अनिता भदेल ने आचार्यश्री वसुंनंदी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर कहा कि महाराज श्री का आगमन समस्त अजमेर के लिए सौभाग्यशाली होगा। इस अवसर पर उपमहापौर नीरज जैन, अध्यक्ष रमेश सोनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हमारी सरकार करवाएगी 6 हजार वरिष्ठजन को हवाई मार्ग, 50 हजार को एसी ट्रेन से तीर्थयात्रा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि धन्ना भगत जी का संत परंपरा में विशिष्ट स्थान रहा है। उन्होंने भक्ति मार्ग को अपनाते हुए मानव-मात्र की सेवा की तथा कर्म पर उसी तरह जोर दिया, जैसे भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में अपने संदेश में दिया है। शर्मा ने कहा कि धन्ना भगत जी ने जात-पात का विरोध किया और अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया।

शर्मा सोमवार को जयपुर जिले के फागी में संत धन्ना भगत जी की जन्म स्थली नोखा-नाड़ी में उनके जयन्ती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत धन्ना भगत जी ने मानव कल्याण के लिए जो शिक्षाएं दी हैं, वे आज भी प्रासंगिक हैं। धन्ना भगत जी ऐसे संत हैं, जिनके प्रति हिंदुओं के साथ-साथ हमारे सिख भाई-बहन भी श्रद्धा रखते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सनातन का स्वर्णकाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में सनातन का स्वर्णकाल चल रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सनातनी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जितना काम हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। पिछले साल ही प्रधानमंत्री के कर कमलों से अयोध्या के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और 500 साल का इंतजार पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम वैभव निखरा और उज्जैन में महाकाल के महालोक का निर्माण हुआ। साथ ही, सोमनाथ का विकास हुआ और केदार घाटी का पुनर्निर्माण हुआ।

पुजारियों को अब 7500 रुपए का मानदेय

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमने नवीनतम बजट में धार्मिक स्थलों के लिए अहम घोषणाएं की हैं। राज्य सरकार 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से यात्रा कराएगी। इसके अतिरिक्त 50 हजार वरिष्ठजनों को ए.सी. ट्रेन से तीर्थ यात्रा भी करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित विभिन्न मंदिरों के उन्नयन हेतु 101 करोड़ रुपये तथा देवस्थान विभाग के अधीन राज्य के बाहर स्थित मंदिरों के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत से कार्य करवाए जाएंगे। राज्य सरकार ने मंदिरों में भोग की राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह एवं पुजारियों का मानदेय बढ़ाकर 7 हजार 500 रुपये प्रतिमाह भी किया है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने कहा की संत धन्ना भगत समाज में समानता, सरलता और सच्ची आस्था के प्रतीक थे। उन्होंने गौ सेवा को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया था। डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के यशस्वी नेतृत्व में राजस्थान विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने धन्ना भगत जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने परिसर में पौधरोपण भी किया।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आबूरोड में ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्यक्रम में लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को सिरोही जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। उन्होंने आबूरोड़ स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में चल रहे पांच दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया तथा देशव्यापी 'स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण' अभियान शुरू किया।

कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना के जवान और साधकों में फर्क नहीं है। सेना के जवान देश की रक्षा करते हैं, वहीं साधक तपस्या करके बुराइयों से दूर रहने का प्रयास करते है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साधक में एक सैनिक और एक सैनिक में साधक विद्यमान रहता है। सैनिक और साधक दोनो एक बेहतरीन सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने योग, अध्यात्म, सेना, अर्थव्यवस्था तथा आत्म सशक्तिकरण पर बात की। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मकुमारी संस्थान और भारतीय सेना के बीच एक एमओयू हस्ता क्षरित किया गया जिसके तहत सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा सेना के सेवानिवृत अधिकारी और जवानों के लिए हर माह स्व सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाया जाएगा।

किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर/एजेन्सी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सीकर जिले के दांतारामगढ़ स्थित प्रेमपुरा में आयोजित समारोह में गौ सेवक स्व. ईश्वर राम हिंडाला की मूर्ति का अनावरण कर जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हिंडाला के सामाजिक योगदान, गौ सेवा और किसान कल्याण के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शर्मा ने कहा कि किसान अन्नदाता है और हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए हर क्षेत्र में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसान सम्मान निधि में वृद्धि के साथ-साथ हम वर्ष 2027 तक कृषि के लिए दिन में बिजली आपूर्ति और शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित की है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही, दांतारामगढ़ की गौरवशाली परंपरा को याद करते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत के योगदान का भी स्मरण किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय हिंडाला की धर्मपत्नी तारा देवी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया, वहीं संत-महात्माओं ने श्री शर्मा को भगवा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। समारोह में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, विधायकगण गोरधन वर्मा और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी विरासत भी है : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। कोटा जिले के रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने महिला वर्ग पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की एवं विजेता महिला पहलवानों को मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी परम्परा एवं संस्कृति का एक हिस्सा है। हमारे देश में दशकों से कुश्ती एवं दंगल का आयोजन मेलों और त्यौहारों में होता आया है। कुश्ती एक तरह से हमारी विरासत है।

उन्होंने कहा कि ओलम्पिक में हमारे देश के पहलवानों ने कुश्ती में कई मेडल जीते हैं। इस खेल को आगे बढ़ाने में महिला पहलवानों का भी काफी योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बार अंडर 20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का राजस्थान में आयोजन लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के प्रयासों से सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का कोटा में आयोजन पूरे राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजस्थान को चुनने के लिए राष्ट्रीय कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष संजय सिंह एवं राजस्थान कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव दत्ता को साधुवाद दिया। कोटा में इस आयोजन से हाड़ौती क्षेत्र में कुश्ती को बढ़ावा मिलेगा एवं यहां की लड़कियां कुश्ती प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करेंगी।

जायजा

जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले के सभी उपखंड अधिकारियों एवं तहसीलदारों ने सोमवार को एक हजार से भी अधिक घरों में जाकर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से पेयजल आपूर्ति, पेयजल की गुणवत्ता का फीडबैक भी लिया। अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्रीष्म ऋतु में आमजन को पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में सोमवार को जिले के उपखंड अधिकारियों एवं तहसीलदार ने घर-घर जाकर पेयजल आपूर्ति का निरीक्षण किया। साथ ही टेल एंड घरों में पानी के दबाव की भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पेयजल आपूर्ति एवं गुणवत्ता के साथ-साथ इलाके में अवैध एवं अनाधिकृत कनेक्शनों एवं पाइप लाइन में लीकेज की समस्या की भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के संबंधित अधिकारियों को अवैध एवं अनाधिकृत कनेक्शनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने एवं पाइप लाइन में लीकेज की समस्या को जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश जारी किये।

मजूमदार ने दंगा प्रभावित शमशेरगंज का दौरा किया, मुख्यमंत्री पर क्षेत्र में नहीं आने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शमशेरगंज(पश्चिम बंगाल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने सोमवार को मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित शमशेरगंज का दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और प्रभावित क्षेत्र का दौरा नहीं करने के लिए प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री मजूमदार ने पूछा, ''10 दिन हो गए हैं, फिर भी मुख्यमंत्री नहीं आई हैं। अगर पीड़ित हिंदू समुदाय के नहीं होते तब भी क्या उनका रवैया ऐसा ही होता?''

भाजपा नेता ने 11-12 अप्रैल की घटना के दौरान क्षतिग्रस्त या लूटे गए धार्मिक स्थलों का दौरा किया। उन्होंने कहा, धर्म के प्रति सच्चा सम्मान सभी धर्मों का सम्मान करने में निहित है।'' उन्होंने कहा, ''जबकि मुख्यमंत्री 30 अप्रैल को दीघा में एक सजावटी ढांचे का अनावरण करने की योजना बना रही हैं, और यहां एक असली मंदिर का खंडहर खड़ा है और वह चुप हैं।''

स्थानीय लोगों ने बताया कि कैसे उनकी दुकानें जला दी गईं और घर मलबे में तब्दील हो गए।

प्रभावित लोगों को केंद्र सरकार के समर्थन का आश्वासन देते हुए मजूमदार ने भीड़ से कहा, ''डर को

अपने ऊपर हावी न होने दें। डर केवल उन लोगों के हाथ मजबूत करता है जो आपको चुप कराना चाहते हैं।'' उन्होंने कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में भी चिंता व्यक्त की और दावा किया कि स्थानीय पुलिस ने जनता का विश्वास खो दिया है। भाजपा की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराते हुए मजूमदार ने कहा कि क्षेत्र में एक स्थायी बीएसएफ शिविर के लिए केंद्र से संपर्क किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्रालय इस पर गौर करेगा। यहां के लोगों को वास्तविक सुरक्षा की जरूरत है, न कि खोखले आश्वासनों की।''

उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासक राज्य नेतृत्व के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, ''मुर्शिदाबाद और मालदा में जिला अधिकारियों को विस्थापित परिवारों को उनके जले हुए घरों में वापस भेजने का निर्देश दिया जा रहा है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''जब मुख्यमंत्री इमामों से मिलती हैं, तो वह मुसलमानों से ज़मीन छीने जाने की बात करती हैं, लेकिन मुर्शिदाबाद में, किसको बेदखल किया गया है?''

बनर्जी के नेतृत्व को 'पूरी तरह से विफल' बताते हुए मजूमदार ने कहा, ''पूरे बंगाल में लोगों में शर्मिंदगी की भावना बढ़ रही है। वह यहां आकर लोगों का कुछ विश्वास बहाल कर सकती थीं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।''

उन्होंने हिंसा के दौरान जाफ़राबाद में मारे गए हरगोबिंद दास और चंदन दास के शोक संतप्त परिवारों से भी मुलाकात की। हत्याओं की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण से जांच कराने की मांग करते हुए मजूमदार ने कहा कि परिवारों को स्वतंत्र, निष्पक्ष जांच के ज़रिए न्याय मिलना चाहिए।

ममता बनर्जी हिंदुओं से 'नफरत' करती हैं : भाजपा ने लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सोमवार को निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित इलाकों का अभी तक दौरा नहीं किया है क्योंकि वह हिंदुओं से 'नफरत' करती हैं। भाजपा ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की आलोचना करते हुए कहा कि वामपंथी पार्टी ने हिंसा में मारे गए दो लोगों को अभी तक अपना कार्यकर्ता नहीं माना है क्योंकि वे दोनों हिंदू थे।

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, ममता बनर्जी के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद का दौरा नहीं किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में पार्टी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''वह हिंदुओं से नफरत करती हैं।''

मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई अन्य घायल हो गए और कई संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर इस तरह का अत्याचार 'मुस्लिम भाइयों' पर किया गया होता तो बनर्जी वहां आंदोलन कर रही होतीं।''

पात्रा ने कहा, ''हिंसा में मारे गए लोग कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता थे। न तो कम्युनिस्ट पार्टी और न ही ममता बनर्जी उन्हें कार्यकर्ता मान रही हैं। उनका एकमात्र दोष यह है कि उनका नाम हरगोबिंद और चंदन है।''

मणिपुर में निर्माणाधीन मकान को नुकसान पहुंचाने के बाद भीड़ की सुरक्षाबलों से झड़प

थौबल/भाषा। मणिपुर के थौबल जिले में सोमवार को एक सड़क पर कथित अतिक्रमण को लेकर भीड़ द्वारा एक निर्माणाधीन मकान को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद स्थानीय लोगों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई। स्थानीय लोगों का एक समूह खंगाबोक अरोंगथोंग माखोंग क्षेत्र में एक मकान और दुकान के निर्माण का विरोध कर रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि हालांकि, मालिक ने निर्माण कार्य जारी रखा जिससे स्थानीय लोग भड़क गए और उन्होंने मकान एवं दुकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थिति के मद्देनजर सुरक्षाबलों ने हस्तक्षेप किया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारी ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

भाजपा के चुनाव विभाग की तरह काम कर रहा है ईडीः भूपेश बघेल

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को 'नेशनल हेराल्ड' मामले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''चुनाव विभाग'' की तरह काम कर रहा है। ईडी ने हाल में 'नेशनल हेराल्ड' मामले के सिलसिले में धन शोधन के आरोप में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। बघेल ने प्रेस वार्ता में कहा, ''जब भी कांग्रेस देश और देश के लोगों के हित में जाति आधारित जनगणना और जनसंख्या के अनुसार आरक्षण जैसे बड़े मुद्दे उठाती है, तो भाजपा सरकार पार्टी को बदनाम करने के लिए झूठे और अवास्तविक आरोपों के साथ कांग्रेस पर हमला करना शुरू कर देती है।'' बघेल ने कहा, ''इसका एक स्पष्ट उदाहरण 'नेशनल हेराल्ड' मामला है। इस मामले में 2012 में निर्वाचन आयोग के समक्ष एक याचिका दायर की गई थी, जिसे आयोग ने खारिज कर दिया था। फिर भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रवर्तन निदेशालय का रुख किया, जिसने भी 2015 में मामला बंद कर दिया।'' उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन ईडी प्रमुख को हटाए जाने के बाद केंद्रीय एजेंसी ने उसी मामले में एक नई प्राथमिकी दर्ज की और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी से लंबी पूछताछ की गई।

अदालत ने तृणमूल कांग्रेस नेता ओ ब्रायन को विरोध प्रदर्शन मामले में समन जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने निषेधाज्ञा के बावजूद 2024 में निर्वाचन आयोग के सामने विरोध प्रदर्शन करने के मामले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष और साकेत गोखले को तलब किया। पुलिस का आरोप है कि पिछले वर्ष आठ अप्रैल को सभी आरोपी निर्वाचन आयोग के मुख्य द्वार के बाहर एकत्र हुए और बिना किसी अनुमति के तथा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू होने के बावजूद हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया कि धारा 144 लागू होने की चेतावनी दिये जाने के बावजूद सभी आरोपी प्रदर्शन करते रहे, जिसके बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने कहा, ''मैंने आरोपपत्र के साथ-साथ शिकायत का भी अध्ययन किया है... मैं भादंसं की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा दिए गए आदेश की अवज्ञा), धारा 145 (गैरकानूनी तरीके से एकत्र होना) और धारा 34 साझा इरादा) के तहत दंडनीय अपराधों का संज्ञान लेती हूं।''

बंगाल के राज्यपाल बोस सीने में जकड़न के कारण अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

कोलकाता/भाषा। सीने में जकड़न के कारण सोमवार सुबह पूर्वी कमान अस्पताल में भर्ती कराए गए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस की हालत स्थिर है। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बोस को सुबह करीब 10 बजे अस्पताल ले जाया गया और चिकित्सक उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। राजभवन के अधिकारी ने कहा, ''राज्यपाल की हालत स्थिर है। डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी में रखा है।'' उन्होंने कहा कि बोस को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। अधिकारी ने बताया कि बोस की जांच की गई व उपचार के बाद उनकी हालत में ''सुधार'' बताया जाता है। राज्यपाल ने शनिवार रात मुर्शिदाबाद के दंगा प्रभावित इलाकों के दौरे से लौटने के बाद सीने में जकड़न की शिकायत की थी। अधिकारी ने कहा, ''राज्यपाल को मुर्शिदाबाद से लौटने के बाद कल सीने में तकलीफ महसूस हुई। ऐसा लगता है कि यात्रा के दौरान व्यस्त कार्यक्रम के कारण उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ा।'' ममता बनर्जी ने पश्चिमी मेदिनीपुर के सालबोनी में बिजली संयंत्र की आधारशिला रखने के लिए रवाना होने से पहले अस्पताल में राज्यपाल से मुलाकात की।

'सोनिया, राहुल की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए किया गया हमला, कांग्रेस लड़ेगी और विफल करेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को आरोप लगाया कि पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी तथा प्रतिष्ठा की धूमिल करने के मकसद से 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया। पूर्व वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सोनिया और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी और इसे नाकाम करेगी।

चिदंबरम ने संवाददाताओं से बातचीत में 'नेशनल हेराल्ड' मामले का ब्योरा दिया और सवाल किया, ''अपराध कहां है? कहां हैं अपराध की कमाई ? भ्रष्टाचार का पैसा कहां है? कहां है धनशोधन का अपराध?'' उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि पीएमएलए अदालत ने अभी तक ईडी की शिकायत (या आरोप पत्र) का संज्ञान नहीं लिया है।'' उन्होंने दावा किया कि बुनियादी बात यह है कि पैसे का कोई लेन-देन नहीं है। चिदंबरम का कहना था, ''पैसे के बिना 'अपराध की कमाई' नहीं होती, 'अपराध की आय' के बिना, कोई धनशोधन नहीं होता है। धनशोधन हुए बिना ईडी का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी और प्रतिष्ठा को निशाना बनाने के लिए सत्ता का खुला दुरुपयोग किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस मामले के तथ्यों से यह स्पष्ट है कि ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई कर रही है।''

बंगाल की मुख्यमंत्री ने सालबोनी में 1,600 मेगावाट के ताप विद्युत संयंत्र की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सालबोनी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबोनी में 1,600 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र की आधारशिला रखी और दावा किया कि यह राज्य में औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा कदम है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी द्वारा 16,000 करोड़ रुपए के निवेश से निर्मित किये जाने वाले इस संयंत्र में 800 मेगावाट की दो इकाइयां होंगी। पहली इकाई 42 महीने में तथा दूसरी 48 महीने में चालू होने की उम्मीद है। यह जेएसडब्ल्यू समूह का पूर्वी भारत में ऊर्जा क्षेत्र में पहली 'ग्रीनफील्ड' परियोजना है। बनर्जी ने इस अवसर पर कहा, यह एक ऐतिहासिक परियोजना है। मैं जिंदल समूह और उनके सभी अधिकारियों को बधाई देती हूं। उन्होंने कहा, कुल 1,600 मेगावाट बिजली पैदा की जाएगी (दो चरणों में 800-800 मेगावाट) और इस पहल से 23 जिले लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को एक विशेष प्रकार की पर्यावरण-अनुकूल पहल बताया और इसे समय की मांग बताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से लगभग 15,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। बनर्जी ने बिजली की बढ़ती मांग का हवाला देते हुए यह भी घोषणा की कि राज्य में दो और बिजली इकाइयां विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा, बंगाल को अधिक से अधिक बिजली की जरूरत है। हम उस मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, बढ़ती मांग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए हम अपने बुनियादी ढांचे को लगातार उन्नत बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार देउचा-पचामी कोयला ब्लॉक परियोजना पूरी हो जाने पर बंगाल को बिजली की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बेरोजगार शिक्षकों ने निकाली रैली, 2016 की भर्ती सूची जारी करने की मांग की

कोलकाता/भाषा। हजारों शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने सोमवार को यहां पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और 2016 एसएससी भर्ती परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की सूची तत्काल प्रकाशित करने की मांग की।

उच्चतम न्यायालय के तीन अप्रैल के फैसले के बाद इन शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों की नियुक्ति को अवैध ठहरा दिया गया है। शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने 11 अप्रैल को कहा था कि डब्ल्यूबीएसएससी दो सप्ताह के भीतर बेदाग और दागी उम्मीदवारों की पूरी सूची अलग-अलग अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा। 'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम (योग्य शिक्षक अधिकार मंच)' के प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि चर्चा के दौरान डब्ल्यूबीएसएससी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार और बसु ने वादा किया था कि सूची 21 अप्रैल तक अपलोड कर दी जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने यहां करुणामयी सेंट्रल पार्क से आचार्य भवन (विप्रो मोड़ स्थित डब्ल्यूबीएसएससी मुख्यालय) तक मार्च निकाला और फिर वे धरने पर बैठ गये। उन्होंने अपनी यह मांग दोहराई कि जिस सूची का वादा किया गया था उसे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रकाशित किया जाए। शीर्ष अदालत के फैसले से प्रभावित शिक्षकों में से एक सुतापा मलिक ने कहा, ''आज जब तक डब्ल्यूबीएसएससी पूरी और व्यापक सूची प्रकाशित नहीं कर देता, तबतक हम इस स्थान से नहीं हटेंगे। जब तक आयोग आधिकारिक तौर पर हमारी स्थिति को पात्र उम्मीदवारों के रूप में स्वीकार नहीं कर लेता, तब तक हम स्कूल लौटने के लिए तैयार नहीं हैं।''

'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के प्रवक्ता ने कहा, ''सरकार को वादा पूरा करना होगा और आधिकारिक तौर पर हमारे नाम स्पष्ट रूप से सामने लाने होंगे। जब तक आयोग हमारे भविष्य के बारे में अनिश्चितता का समाधान नहीं कर देता, हम स्कूल लौटने के लिए तैयार नहीं हैं।''

मुर्शिदाबाद हिंसा के सिलसिले में बंगाल एसटीएफ ने ओडिशा में 12 लोगों को हिरासत में लिया

भुवनेश्वर/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा के सिलसिले में सोमवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले से 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

ओडिशा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल ने उन्हें पकड़ा। हिरासत में लिए गये लोगों में जियाउल शेख के दो बेटे भी शामिल हैं, जो मुर्शिदाबाद के जाफराबाद में एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या के मुख्य संदिग्धों में से एक है। हिरासत में लेने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए बनहरपाली पुलिस थाने ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ये लोग बनहरपाली थाना क्षेत्र के बुंडुबहाल में मजदूरी करते थे। अधिकारी ने कहा, एसटीएफ द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और हिंसा के दिन मुर्शिदाबाद में उनकी मौजूदगी का पता लगाने के लिए उनके मोबाइल की जांच की जा रही है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता पंचकुला में नहीं बेंगलूरु में होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को पंचकुला के बजाय बेंगलूरु के कांतिरावा स्टेडियम में कराया जाएगा जिसमें कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे क्योंकि एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर ने भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं। चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया है जिन्होंने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

चोपड़ा ने 'वर्चुअल मीडिया' बातचीत में पत्रकारों से कहा, ''मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। '' विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है जिसने भी अपने कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के स्थल का नाम बदल दिया है। चोपड़ा ने कहा, ''मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स अंतरराष्ट्रीय प्रसारण के लिए 600 'लक्स' (प्रकाश की तीव्रता का माप) की रोशनी चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। ''27 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, ''इसलिए इस साल हमने प्रतियोगिता को बेंगलूरु के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। मैंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री से बात की है। टूर्नामेंट के सफल आयोजन के हर पहलू का ध्यान रखने केलिए हमारे पास जेएसडब्ल्यू की टीम है। मुझे लगता है कि बेंगलूरु में शाम का मौसम इस टूर्नामेंट, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए 'परफेक्ट' होगा। हमारी कोशिश प्रशंसकों को सर्वश्रेष्ठ अनुभव और विदेशी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ आतिथ्य प्रदान करना है। टूर्नामेंट का आयोजन चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। चोपड़ा ने कहा, ''मैं इस टूर्नामेंट के आयोजन में काफी जुड़ा हुआ हू। लंबे समय से मेरा सपना भारत में इस तरह का टूर्नामेंट आयोजित करना रहा है। अब इसका आयोजित होना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है।''

बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंधः रोहित, विराट शीर्ष श्रेणी में बरकरार, अय्यर और किशन की वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के लिए आईपीएल मैच जिताने वाली शानदार पारियां खेलने के 24 घंटे से भी कम समय बाद सोमवार को मेगास्टार रोहित शर्मा और विराट कोहली को खिलाड़ियों की अपनी वार्षिक अनुबंध सूची में शीर्ष श्रेणी में बरकरार रखा।

अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर और इशान किशन की केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की 34 सदस्यीय सूची में निचले वर्ग में वापसी हुई है जिसमें सबसे अधिक राशि वाले ए प्लस वर्ग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा भी शामिल हैं। अय्यर और विकेटकीपर बल्लेबाज किशन को पिछले साल घरेलू क्रिकेट की अनदेखी करने के कारण सूची से हटा दिया गया था।

रोहित और कोहली दोनों ही ए प्लस श्रेणी में हैं लेकिन यह देखना होगा कि मुंबई के बल्लेबाज को इंग्लैंड में आगामी पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में टीम की अगुआई करने का मौका दिया जाता है या नहीं क्योंकि लाल गेंद के प्रारूप में उनका प्रदर्शन खराब रहा है। बीसीसीआई के आला अधिकारियों ने हालांकि इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है क्योंकि अंतिम निर्णय लेने में मुख्य कोच गौतम गंभीर की राय भी मायने रखेगी। बीसीसीआई चार श्रेणियों में अनुबंध प्रदान करता है जो ए प्लस, ए, बी और सी है और इनकी वार्षिक रिटेनर राशि क्रमशः सात करोड़ रुपए, पांच करोड़ रुपए, तीन करोड़

रुपए और एक करोड़ रुपए है। पता चला है कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने मुख्य कोच गंभीर और सचिव देवजीत सैकिया के साथ चर्चा के बाद कम से कम दो सप्ताह पहले अनुबंध सूची तैयार कर ली थी लेकिन घोषणा को रोक दिया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों दिग्गजों के आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद ही अनुबंधित खिलाड़ियों की घोषणा की गई है। कोहली ने रविवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ नाबाद 73 रन की पारी खेली जबकि इसी दिन खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 76 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। अय्यर को बी श्रेणी में शामिल किया गया है जबकि किशन ने सी श्रेणी में वापसी की। भीषण दुर्घटना से उबरने के कारण 2023-24 सत्र के दौरान ग्रुप बी में खिसका दिए गए ऋषभ पंत की संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन जगह ए श्रेणी में वापसी हुई है। केंद्रीय अनुबंध खिलाड़ी के पिछले साल के प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। ए प्लस श्रेणी में ऐसे खिलाड़ियों को जगह मिलती है जिनका सभी प्रारूपों में खेलना लगभग तय है। ए श्रेणी उन खिलाड़ियों के लिए है जिनका टेस्ट मैच में खेलना तय है और समय-समय पर अन्य दो प्रारूप भी खेलते हैं। श्रेणी बी उन खिलाड़ियों के लिए है जो कम से कम दो प्रारूप नियमित रूप से खेलते हैं और सी श्रेणी नए खिलाड़ियों और एक प्रारूप के विशेषज्ञों के लिए है। कई लोग सवाल करेंगे कि रोहित, कोहली और जडेजा को ए प्लस श्रेणी में कैसे रखा गया जबकि तीनों ने पहले ही सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी है? बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने इसका कारण बताया।

सुविचार

जीवन कितना भी कठिन क्यों न लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और उसमें सफल हो सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकता की नींव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि' के आदर्श को अपनाकर सामाजिक सद्भाव के लिए जो आह्वान किया, वह अत्यंत प्रासंगिक है। ये तीनों स्थान हर हिंदू के लिए बहुत मायने रखते हैं। जब इतिहास के किसी कालखंड में समाज में भेदभाव पैदा हुए (कारण जो भी रहे हों) तो मंदिर, कुआं और श्मशान भूमि भी अलग-अलग हो गए थे। हमारे समाज सुधारकों ने उन भेदभावों की जंजीरें तोड़ने के लिए वर्षों संघर्ष किया था। इसके बावजूद कई गांवों में अलग-अलग जातियों के मंदिर, कुएं और श्मशान देखने को मिलते हैं। उन्हें उनके नाम के बजाय खास पहचान के कारण जाना जाता है। इस वजह से समाज कहीं-न-कहीं कमजोर हुआ और उसका फायदा विदेशी आक्रांताओं ने उठाया था। उन्होंने भेदभाव की खाई को और गहरा किया, ताकि उनकी सत्ता के लिए कोई खतरा न रहे। अंग्रेजों ने 'फूट डालो, राज करो' की नीति अपनाते हुए देश में विभाजन के बीज बोए थे। मंदिर हमारे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के केंद्र हैं। ये सामाजिक पुनर्जागरण के महत्त्वपूर्ण स्थान बन सकते हैं। इसी तरह, 'एक कुआं' सामाजिक भेदभावों को दूर करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। 'एक श्मशान भूमि' होने से सामाजिक समरसता में बढ़ोतरी होगी। जब कभी समाज में सद्भाव और एकता पैदा करने की बात आती है तो तरह-तरह के सुझाव दिए जाते हैं। वे अपनी जगह सही हो सकते हैं। हालांकि जब उन्हें धरातल पर लागू करते हैं तो तुरंत ही बड़े परिणाम नहीं मिलते। उनका विरोध भी हो सकता है।

समाज को एकजुट और मजबूत करने के लिए जरूरी है कि पहले ये खूबियां परिवार में पैदा की जाएं। आज परिवार टूट रहे हैं। वैवाहिक जीवन से संबंधित समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। पीढ़ियों में दूरियां देखने को मिल रही हैं। दिखावेबाजी जोरों पर है। छोटे-छोटे बच्चे मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। लोगों के पास अनेक सुविधाएं हैं, लेकिन वे शिकायत करते हैं कि हम जीवन जी नहीं रहे, बल्कि काट रहे हैं। अगर परिवारों का यह हाल रहेगा तो समाज किस दिशा में जाएगा? लोगों में मेलजोल घटाने और अकेलापन बढ़ाने के लिए मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार माना जा सकता है। इन सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए समाज को हर महीने किसी खास दिन बैठक करनी चाहिए। वहां हर पीढ़ी के लोग विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करें, अनुभवी लोगों के विचार जानें और जरूरतमंद लोगों की इस तरह मदद करें कि उनका स्वाभिमान आहत न हो। जरूरी नहीं कि ऐसी बैठकों के लिए अत्यंत भव्य प्रबंध किए जाएं। सामान्य संसाधनों के साथ सद्भावपूर्ण माहौल में भी बहुत अच्छे आयोजन हो सकते हैं। इन बैठकों में सामूहिक भोज जरूर किया जाए। इसके लिए हर घर से आटा, तेल, सब्जी और मसाले लिए जाएं और सभी लोग काम में हाथ बंटाएं। ऐसे आयोजन समाज में एकता की नींव को मजबूत करेंगे। प्राय: लोगों की शिकायत रहती है कि समाज की प्रतिभाएं जब आगे बढ़ जाती हैं और जीवन में कोई बड़ा मुकाम हासिल कर लेती हैं तो वे मदद करना तो दूर, हमारी ओर मुड़कर भी नहीं देखतीं। यह शिकायत पूरी तरह गलत नहीं है। ऐसे कई युवा हैं, जो कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से थे, लेकिन जब 'कुछ बन गए' तो उन्होंने अपने समाज की कोई मदद नहीं की। यहां एक सवाल और पैदा होता है- जब उन युवाओं को मदद की जरूरत थी, तब समाज ने उनकी कितनी मदद की? ऐसे ज्यादातर मामलों में देखने को मिलेगा कि वे युवा अपने अभावों के साथ अकेले ही संघर्ष करते रहे। उनका मनोबल तोड़ने वालों की कमी नहीं थी। जब उन्हें सफलता मिल गई तो हर कोई उनसे रिश्ता जोड़ने लगा। अगर प्रतिभाओं का उपयोग समाज के हित में करना चाहते हैं तो उनकी ओर उस समय मदद का हाथ बढ़ाएं, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

ट्वीटर टॉक

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 22 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। सुकमा की बडेसेट्टी पंचायत में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

-अमित शाह

लखनऊ अपनी स्पोर्टिंग कल्चर के लिए केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश विदेश में जाना जाता रहा है। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यानचंद ने भी लखनऊ की खेल संस्कृति को सँवारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और विख्यात ओलंपियन जमन लाल शर्मा की यह कर्म भूमि रही है।

-राजनाथ सिंह

हाल ही में संसद में मेरी मुलाक़ात दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें किस तरह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ता है।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

अहंकार की गति

एक मूर्तिकार उच्चकोटि की ऐसी सजीव मूर्तियाँ बनाता था, जो सजीव लगती थीं। लेकिन उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसक मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिये उसने एकदम अपने जैसी दस मूर्तियाँ उसने बना डालीं और योजनानुसार उन बनाई गईमूर्तियों के बीच मे वह स्वयं जाकर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियाँ देखकर स्तम्भित रह गए। इनमें से वास्तविक मनुष्य कौन है- नहीं पहचान पाए। वे सोचने लगे, अब क्या किया जाए। मूर्तिकार के प्राण अगर न ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिये मूर्तियाँ तोड़ें तो कला का अपमान होगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार की स्मृति आई। उसने चाल चलते हुए कहा- काश इन मूर्तियों को बनाने वाला मिलता तो मैं से बताता कि मूर्तियाँ तो अति सुंदर बनाई हैं, लेकिन इनको बनाने में एक त्रुटि रह गई। यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा कि मेरी कला में कमी कैसे रह सकत है, फिर इस कार्य में तो मैंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।

सामयिक

यदि भारत को एक सशक्त डिजिटल राष्ट्र बनना है, तो उसे सिर्फ तकनीक अपनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उस तकनीक को टिकाऊ, समावेशी और भरोसेमंद बनाना होगा। इसके लिए नीति-निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और बैंकिंग संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। यह भी जरूरी है कि नागरिकों को डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे तकनीकी गड़बड़ियों को समझ सकें, साइबर ठगी से बच सकें और सिस्टम में विश्वास रख सकें।

डिजिटल भुगतान में तकनीकी अवरोधों की चुनौती

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस, भारत की वित्तीय प्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है। यह न केवल पैसे के लेन-देन को आसान बनाता है, बल्कि एक व्यापक डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव भी तैयार करता है। एक समय था जब किसी भी वित्तीय लेन-देन के लिए बैंक शाखा जाना, चेक भरना या फिर कैश निकालना अनिवार्य होता था। लेकिन पिछले एक दशक में भारत ने जिस तीव्र गति से डिजिटल भुगतान प्रणाली को अपनाया है, वह विकासशील देशों के लिए एक मिसाल है। यूपीआई के माध्यम से न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण भारत के नागरिकों ने भी एक सरल, तीव्र और प्रभावी लेन-देन की प्रक्रिया को अपनाया है। हालांकि, डिजिटल भुगतान की इस प्रक्रिया में एक बड़ी विडंबना यह है कि जब यह सुविधा बाधित होती है, तब इसकी निर्भरता और सामर्थ्य पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। यह तकनीकी अवरोध एक नई तरह की असुविधा पैदा करते हैं, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। यदि कोई दुकानदार या उपभोक्ता एक आवश्यक लेन-देन कर रहा हो और ऐन उस समय सर्वर डाउन हो जाए या नेटवर्क की समस्या आ जाए, तो यह केवल असुविधा नहीं बल्कि पूरे डिजिटल ढांचे की विश्वसनीयता पर आघात है। हाल के दिनों में विशेषकर सप्ताहांत या पिक आवर्स के दौरान यूपीआई सेवाओं में रुकावट की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसने डिजिटल व्यवस्था की स्थायित्व क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

डिजिटल भुगतान के शुरुआती दौर में, लोगों को इसके फायदे गिनाए गए- कैश की आवश्यकता नहीं, बैंकों की कतारें नहीं, त्वरित भुगतान, और दूर-दराज के क्षेत्रों तक वित्तीय समावेशन की संभावना। सरकार ने भी इस दिशा में अनेक प्रोत्साहन योजनाएं चलाईंजैसे कि रूपे कार्ड पर कैशबैक, भीम ऐप के माध्यम से लेन-देन पर पुरस्कार, और व्यापारियों को डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए विशेष प्रोत्साहन। निस्संदेह, इन प्रयासों ने एक बड़ी आबादी को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा। लेकिन जैसे-जैसे इसका दायरा बढ़ा, वैसे-वैसे इसकी कमजोरियाँ भी उजागर होने लगीं। यूपीआई आधारित भुगतान की विफलता की घटनाएं, विशेषकर विशेष अवसरों या त्यौहारों के समय, एक आम समस्या बन गई हैं। यह विफलता तकनीकी समस्याओं, सर्वर डाउन होने या नेटवर्क अस्थिरता के कारण होती है, जो न केवल नागरिकों की झुंझलाहट का कारण बनती है, बल्कि डिजिटल प्रणाली के प्रति अविश्वास भी पैदा करती है। यूपीआई के रुकावटों से प्रभावित लोग यह सोचने लगते हैं कि कहीं उनका पैसा बीच में ही न अटक जाए, या ट्रांजैक्शन फेल होने के बाद उसे वापस पाने में उन्हें कई दिन न लग जाएं। इस प्रकार की घटनाएँ विशेषकर उन लोगों को प्रभावित करती हैं जो तकनीकी रूप से प्रशिक्षित नहीं हैं या जिन्होंने अभी हाल ही में डिजिटल माध्यमों का उपयोग शुरू किया है। उनके लिए एक बार की असफलता पूरी प्रणाली से विश्वास उठ जाने का कारण बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण पक्ष साइबर सुरक्षा का है। जैसे-जैसे डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार हुआ है, वैसे-वैसे साइबर धोखाधड़ी की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। फर्जी यूपीआई लिंक, क्यूआर कोड स्कैम, फोन पर ओटीपी पूछकर ठगी करने वाले साइबर अपराधियों ने आम जनता को भ्रमित करना शुरू कर दिया है। यह खतरा विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अधिक है जहाँ डिजिटल साक्षरता का अभाव है। ऐसे में तकनीकी रुकावटें और साइबर अपराध मिलकर पूरे डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को संकट में डाल सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यूपीआई ने भारत में भुगतान पारदर्शिता को नई ऊँचाई दी है। सरकार के लिए यह नकद-रहित अर्थव्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम है। आयकर के दायरे में वृद्धि, नकली मुद्रा पर नियंत्रण, और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने जैसे प्रभाव यूपीआई के माध्यम से संभव हुए हैं।

लेकिन यदि इस प्रणाली में तकनीकी स्थिरता नहीं होगी तो इसका दीर्घकालिक भविष्य संदेह के घेरे में आ सकता है। जब नागरिकों को यह लगेगा कि डिजिटल भुगतान सुरक्षित और विश्वसनीय नहीं है, तब वे फिर से नकद भुगतान या पारंपरिक तरीकों की ओर लौट सकते हैं। यह न केवल डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए झटका होगा, बल्कि वर्षों की मेहनत और निवेश भी व्यर्थ हो जाएगा। यह स्थिति एक प्रकार के 'डिजिटल विरोधाभास' को जन्म देती है। एक ओर सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी ओर इसके मूलभूत तकनीकी ढांचे को दुरुस्त करने में कोताही बरती जा रही है। यह आवश्यक है कि डिजिटल भुगतान सेवा प्रदाता चाहे वे सरकारी बैंक हों या निजी एप्लिकेशन अपने सर्वरों की क्षमता को बढ़ाएं, ट्रैफिक लोड का बेहतर प्रबंधन करें और लगातार निगरानी तंत्र विकसित करें। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि ग्राहकों की शिकायतों का त्वरित समाधान हो, ताकि उनका विश्वास बना रहे।

यदि भारत को एक सशक्त डिजिटल राष्ट्र बनना है, तो उसे सिर्फ तकनीक अपनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उस तकनीक को टिकाऊ, समावेशी और भरोसेमंद बनाना होगा। इसके लिए नीति-निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और बैंकिंग संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। यह भी जरूरी है कि नागरिकों को डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे तकनीकी गड़बड़ियों को समझ सकें, साइबर ठगी से बच सकें और सिस्टम में विश्वास रख सकें। भारत के लिए यह समय केवल तकनीकी नवाचार का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व का भी एक ऐतिहासिक अवसर है। डिजिटल भुगतान की दुनिया में भारतीय यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) मॉडल ने न केवल देश की आंतरिक आर्थिक गति को तेज किया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक मिसाल कायम की है। सिंगापुर, नेपाल, भूटान, फ्रांस, यूएई जैसे अनेक देशों ने भारतीय यूपीआई प्रणाली में रुचि दिखाई है और कुछ ने तो इसे अपनाना भी शुरू कर दिया है। यह स्थिति भारत को एक वैश्विक डिजिटल नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन यही अवसर एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आता है। जब भारत स्वयं अपने डिजिटल भुगतान तंत्र की मजबूती और विश्वसनीयता को सुनिश्चित नहीं करता, तो इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी उसकी साख पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यह तकनीकी अस्थिरता न केवल आम उपभोक्ताओं के विश्वास को प्रभावित करती है, बल्कि भारत की उस प्रतिष्ठा को भी क्षति पहुँचा सकती है जो उसने डिजिटल क्षेत्र में अर्जित की है।

इसलिए यह समय है जब प्रचार और प्रसार की चकाचौंध से आगे बढ़कर उस आधारभूत ढांचे की ओर गंभीरतापूर्वक देखा जाए, जिस पर यह संपूर्ण प्रणाली टिकी हुई है। तकनीक की सफलता केवल उसके नवाचार में नहीं, बल्कि उसके सतत संचालन, पारदर्शिता और समस्या-निवारण तंत्र की तत्परता में निहित होती है। कोई भी तकनीक अपने आप में पूर्ण नहीं होती; वह कितनी सक्षम है, यह इस पर निर्भर करता है कि उसके लिए किस प्रकार का संरचनात्मक समर्थन, संसाधन और देखरेख की व्यवस्था की गई है। यूपीआई ने भारत को एक नई आर्थिक पहचान दी है, एक ऐसा माध्यम दिया है जिससे गाँव का किसान भी वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सका है। लेकिन यह पहचान तभी स्थायी बन सकेगी, जब नागरिकों को यह विश्वास हो कि उनका डिजिटल लेन-देन हर समय, हर परिस्थिति में सुरक्षित, त्वरित और त्रुटिरहित रहेगा। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि तकनीकी अवरोधों को प्राथमिकता से हल किया जाए, साइबर जोखिमों को नियंत्रित किया जाए और प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही को संस्थागत रूप दिया जाए। यही भविष्य की दिशा है, और यही भारत की डिजिटल गरिमा की असली कसौटी।

नजरिया

मुर्शिदाबाद हिंसा कांड पर कुछ अनुत्तरित सवाल

चेतनादित्य आलोक

हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है। उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं।

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आततायियों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज़्ज़त और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं।

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायियों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम-से-कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है। उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं।

लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदां, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने और ढाढ़स बंधाने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं।

और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाया गया था, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया। यह भी, कि इसके लिए बाकायदा 02 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचइस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, यह कि हम हिंदुओं को प्रताड़ित करने के लिए किस मुह से यूनुस को दोष दें। उनसे कैसे कहें कि बांग्लादेश में हिंदू असुरक्षित और पीड़ित हैं, जबकि सच तो यह है कि हिंदू बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं। (साभार : प्रभा साक्षी)

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' ने तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर की 29.62 करोड़ रुपए की कमाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' ने अपने शुरुआती सप्ताहांत में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 29.62 करोड़ रुपए की कमाई की है। निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पहली बार फिल्म बना रहे करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आर माधवन और अनन्या पांडे ने भी अभिनय किया हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज हुई थी।

प्रोडक्शन बैनर धर्मा प्रोडक्शंस ने अपने सोशल मीडिया पेज पर बॉक्स ऑफिस पर हुई कमाई के बारे में जानकारी साझा की।

'केसरी चैप्टर 2' ने पहले दिन 7.84 करोड़ रुपए, अगले दिन 10.08 करोड़ रुपए और तीसरे दिन 11.70 करोड़ रुपए कमाए।

'केसरी चैप्टर 2' जलियांवाला बाग हत्याकांड की एक अनकही कहानी को उजागर करती है। यह फिल्म वकील सी शंकरन नायर के बारे में है जिन्होंने 1920 के दशक में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी थी।

यह फिल्म नायर के पड़पोते रघु पलट और उनकी पत्नी पुष्पा पलट की किताब 'द केस दैट शुक द एम्पायर' पर आधारित है।

फिल्म 1924 के उस मानहानि मुकदमे की झलक बताती है जिसमें पंजाब के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर और जलियांवाला बाग नरसंहार के लिए जिम्मेदार माइकल ओ'डायर ने नायर के खिलाफ अपील की थी। नायर ने अपनी किताब में पंजाब में हुई ब्रिटिश ज्यादतियों का खुलासा किया था।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस और उनके परिवार ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने अपनी भारत की यात्रा शुरू करने के तहत पत्नी उषा चिलुकुरी और तीन बच्चों के साथ सोमवार को दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। भारत की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे वेंस आगरा और जयपुर का भी भ्रमण कर सकते हैं। वेंस और उनका परिवार लगभग चार घंटे तक अक्षरधाम मंदिर में रहे। उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल ने पारंपरिक भारतीय परिधान पहने थे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने मंदिर की अतिथि पुस्तिका में लिखा, ''इस खूबसूरत जगह पर मुझे और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए आप सभी की मेहमाननवाज़ी और दयालुता का मैं शुक्रिया अदा करता हूं। भारत को इस बात का बहुत बड़ा श्रेय जाता है कि आपने बहुत ही सावधानी और सटीकता से एक सुंदर मंदिर बनाया है। खासतौक पर, मेरे बच्चों को यह बहुत पसंद आया। भगवान की कृपा बनी रहे।'' वेंस परिवार ने मंदिर के भव्य प्रांगण के बाहर मौजूद कैमरामैन से फोटो खिंचवाई। मंदिर के एक पुजारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया, जिसके बाद उन्होंने दर्शन किए। परिवार को लकड़ी का नक्काशीदार हाथी, अक्षरधाम मंदिर का मॉडल और बच्चों की किताबें उपहार में दी गईं।'' मंदिर की स्वयंसेवक मीरा सोंडागर ने बताया कि उपराष्ट्रपति को खासतौर पर गजेन्द्र पीठ बहुत पसंद आई। वह इसकी जटिल नक्काशी से बहुत प्रभावित हुए। गजेन्द्र पीठ पर हाथियों की नक्काशी बनाई गई है, जो शक्ति और बुद्धिमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ''उन्हें पूरे अक्षरधाम का भ्रमण करवाया गया और वे इस अनुभव से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने (वेंस) कहा कि उन्हें यहां आकर शांति मिली।'' अक्षरधाम मंदिर के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर वेंस के मंदिर दर्शन के संबंध में एक पोस्ट भी साझा की गई। पोस्ट में कहा गया, ''अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, द्वितीय महिला उषा वेंस और उनके बच्चों ने दिल्ली स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम में दर्शन किए। यहां उन्होंने मंदिर की शानदार कला, वास्तुकला और आस्था, परिवार एवं सद्भाव के शाश्वत मूल्यों का अनुभव किया।'' इसमें कहा गया, ''वेंस परिवार ने मंदिर की शानदार कला और वास्तुकला का अवलोकन किया, भारत की विरासत और सांस्कृतिक गहराई का अनुभव किया और उन्होंने अक्षरधाम परिसर में निहित सद्भाव, पारिवारिक मूल्यों और शाश्वत ज्ञान के संदेशों की सराहना की।'' ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने पिछले वर्ष भारत यात्रा के दौरान अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए थे। इससे पहले, वेंस और उषा के सोमवार सुबह दिल्ली पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी का पालम एयरबेस पर स्वागत किया। वेंस के साथ वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के उपराष्ट्रपति के साथ व्यापक वार्ता के बाद सोमवार की शाम को वेंस परिवार के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। वेंस ऐसे समय में भारत आए हैं जब कुछ सप्ताह पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित लगभग 60 देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क व्यवस्था लागू करने के बाद उसे स्थगित कर दिया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस के बच्चों ने पारंपरिक भारतीय परिधान में लोगों का दिल जीता

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ भारत यात्रा पर आए उनके तीन बच्चे विशेष रूप से चुने गए पारंपरिक भारतीय परिधान में थे जिसने लोगों का दिल जीत लिया। सोमवार को दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद ही उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। वेंस का आठ वर्षीय बेटा इवान और पांच वर्षीय बेटा विवेक सफेद पायजामा के साथ पीले और भूरे रंग का कुर्ता पहने हुए थे जबकि उनकी तीन वर्षीय बेटी मीराबेल चैती हरे रंग का अनारकली सूट और जैकेट पहनी हुई थी। विमान से उतरते ही उनके तीनों बच्चे इस यात्रा को कवर करने वाले फोटोग्राफरों के बीच लोकप्रिय हो गए तथा उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती रहीं। वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा सोमवार को सुबह दिल्ली पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया।

वेंस ने सफेद शर्ट और लाल टाई के साथ नेवी ब्लू बिजनेस सूट पहने हुए थे तो वहीं उनकी पत्नी ने सफेद ब्लेजर के साथ लाल रंग की लंबी पोशाक में थीं। वेंस परिवार अक्षरधाम मंदिर पहुंचा जहां उन्होंने मंदिर के भव्य अग्रभाग के बाहर तस्वीरों के लिए पोज दिए। वेंस और उनका परिवार अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान जयपुर और आगरा जाएगा।

सोमवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वेंस के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे।

वेंस के साथ वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी आया है।

कलाकारों को खुले मन से युवा पीढ़ी से सीखते रहना चाहिए : इमरान हाशमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अभिनेता इमरान हाशमी का मानना है कि फिल्मी दुनिया में प्रासंगिक बने रहने के लिए कलाकारों को खुले मन से युवा पीढ़ी से सीखना चाहिए और उनके नजरिए को समझते हुए खुद को समय के अनुसार ढालना चाहिए।

हाशमी ने वर्ष 2000 और 2010 के दशक में 'गैंगस्टर', 'द डर्टी पिक्चर', 'शंघाई' और 'टाइगर्स' जैसी फिल्मों में अपने जबरदस्त अभिनय से पहचान बनाई, जबकि 'राज', 'मर्डर' और 'जन्नत' जैसी फिल्मों से व्यावसायिक सफलता भी हासिल की। 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा, जब नए कलाकार और फिल्म निर्माता आते हैं, तब प्रासंगिकता बने रहना बेहद जरूरी हो जाता है। उनके साथ काम कर खुद को नए सिरे से प्रस्तुत करना ही प्रासंगिकता की कुंजी है। बीते समय में जीना छोड़कर नई कहानियों और किरदारों पर काम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि एक कलाकार के तौर पर उन्हें चुनौतियां पसंद हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने 2017-18 में 'बार्ड ऑफ ब्लड' में काम किया, वह एक बदलाव था। अगर मैं सिर्फ पुराने ढर्रे पर चलता, तो वह प्रासंगिकता के विपरीत होता। अभिनेता ने कहा कि फिल्मों को जमीन से जुड़ा और पूरे भारत में अपील करने वाला बनाना होगा। उन्होंने कहा, हमें पूरी तरह से फिल्मों के स्वरूप में बदलाव लाने की जरूरत है। उनकी अगली फिल्म 'ग्राउंड ज़ीरो' 25 अप्रैल को रिलीज होगी।

तेजस देवस्कर द्वारा निर्देशित इस एक्शन-थ्रिलर में सई ताम्हणकर और जोया हुसैन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' के बैनर तले निर्मित किया गया है।

रणदीप हुड्डा ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट, इसे अपने लिए बड़े सम्मान की बात कही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता रणदीप हुड्डा का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात 'बड़े सम्मान एवं सौभाग्य की बात है।' हाल में 'जाट' फिल्म में नजर आए रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रधानमंत्री के साथ कई तस्वीरें साझा कीं। इस मौके पर रणदीप हुड्डा की मां आशा हुड्डा और बहन अंजलि हुड्डा भी मौजूद थीं।

रणदीप हुड्डा (48) ने लिखा है, ''भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमारे महान देश के भविष्य पर उनकी अंतर्दृष्टि, ज्ञान और विचार हमेशा प्रेरणास्पद हैं। उनके द्वारा पीठ

थपथपाना हमारे संबंधित क्षेत्रों में अच्छा काम करते रहने और हमारे देश के विकास में योगदान देने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ बातचीत 'भारतीय सिनेमा के वैश्विक उदय और प्रामाणिक रूप से कहानी कहने की शक्ति' के इर्द-गिर्द घूमती रही। अभिनेता के अनुसार प्रधानमंत्री और उन्होंने 'विश्व श्व्यदृश्य और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएवीईएस) के बारे में भी चर्चा की, जो एक मई से चार मई तक मुंबई में होने वाला है। रणदीप हुड्डा ने कहा,''यह मेरे लिए एक गौरवपूर्ण पारिवारिक क्षण था, जब मेरी मां आशा हुड्डा और बहन डॉ. अंजलि हुड्डा भी इस भेंट के दौरान मेरे साथ मौजूद थीं। उन दोनों (मेरी मां और बहन) ने मोटापा विरोधी अभियान और समग्र स्वास्थ्य के संबंध में प्रधानमंत्री द्वारा की गयी पहलों पर उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान किया।'' रणदीप हुड्डा की हालिया फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को रिलीज हुई है और इसमें सनी देओल, विनीत कुमार सिंह एवं सैयामी खेर भी हैं। पिछले हफ्ते निर्माताओं ने फिल्म का दूसरा भाग भी बनाने की घोषणा की।

इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सोमवार को विशेष रूप से भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना पर जोर देते हुए भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करके द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने का आग्रह किया। हर्जोग ने इस परियोजना को ''दुनिया का भविष्य'' बताया। हर्जोग ने इजराइल में भारत के नवनियुक्त राजदूत जे. पी. सिंह से कहा, ''हम भारत राष्ट्र और उसके नेतृत्व का बहुत सम्मान करते हैं। इजराइल के लोग आपके देश से प्यार करते हैं। मैं आपके देश का दौरा करने और इजराइल में आपके राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की मेजबानी करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं।''

भारतीय राजदूत सिंह ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास पर एक समारोह में अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया। इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत के नए दूत का स्वागत करते हुए कहा, ''मैं आपके कार्यकाल में आपको अत्यधिक सफलता मिलने की कामना करता हूं।'' उन्होंने भारत और इजराइल से ''भू-रणनीतिक मुद्दों, रणनीतिक मुद्दों, बंधकों की घर वापस लाने, ईरान को (परमाणु हथियार प्राप्त करने से) रोकने, शांति और समावेश, 'कनेक्टिविटी' की दिशा में आगे बढ़ने और निश्चित रूप से दोनों देशों के लोगों के बीच अविश्वसनीय संबंधों को बढ़ाने के लिए

मिलकर काम करने का आग्रह किया।'' दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर बात करते हुए हर्जोग ने आईएमईसी को ''दुनिया का भविष्य'' बताया, जिसमें दुनिया की पूरी भू-रणनीतिक स्थिति को बदलने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आपकी सबसे बड़ी भूमिका आईएमईसी होगी। आईएमईसी दुनिया का भविष्य है, न कि केवल क्षेत्र का। इजराइल और भारत के बीच संपर्क यूरोप, अमेरिका, सुदूर पूर्व और ऑस्ट्रेलिया में भू-रणनीतिक स्थिति को बदल देगा। यह आप पर निर्भर है और मैं आपकी मदद करने के लिए यहां हूं।'' आईएमईसी परियोजना की घोषणा 2023 में नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत से यूरोप तक बुनियादी ढांचे को जोड़ने, पश्चिम एशिया से एशिया को यूरोप से जोड़ने वाली परियोजना के रूप में की गई थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ''इतिहास की सबसे बड़ी सहयोग परियोजना'' करार दिया था, जो ''पश्चिम एशिया, इजराइल का चेहरा बदलने वाली और पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली होगी''। फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे सीधे अमेरिका से जोड़ते हुए कहा था कि वह परियोजना के दायरे को बढ़ाने के लिए भारतीय नेता से सहमत हैं। सिंह ने भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि संकट की घड़ी में दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। सिंह ने कहा, ''हमने एक-दूसरे की मदद की है और हमें इस रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम कई क्षेत्रों में जैसे कृषि, जल प्रबंधन, आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र के साथ-साथ रक्षा सहयोग में एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। आइखउ्एमईसी एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है।'' भारतीय दूत ने कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं, समझौते (आईएमईसी) पर तब हस्ताक्षर किए गए थे जब भारत जी20 अध्यक्षता का नेतृत्व कर रहा था और यह बड़ी भारतीय सभ्यता को यूरोप एवं अटलांटिक तटों से जोड़ेगा तथा यह परियोजना इस क्षेत्र से होकर गुजरेगी। इसी तरह, आई2यू2 एक और पहल है जो दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।'' भारत, इजराइल, अमेरिका और यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) से मिलकर बना आई2यू2 समूह अक्टूबर 2021 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की इज़राइल यात्रा के दौरान उभरा, जब चारों देशों के विदेश मंत्रियों ने एक डिजिटल बैठक की। बैठक में घोषणा की गई कि वे मध्य पूर्व क्षेत्र के देशों के बीच भौतिक संपर्क को आगे बढ़ाने का इरादा रखते हैं। हर्जोग ने आई2यू2 के महत्व पर सहमति जताई और यूएई के साथ संबंधों को ''बहुत महत्वपूर्ण'' बताया।

श्रीलंका के कार्डिनल ने 'ईस्टर संडे' जांच को लेकर 'डीप स्टेट' को खत्म करने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका में स्थानीय कैथोलिक गिरजाघर के प्रमुख कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने सोमवार को देश के अंदर ''डीप स्टेट'' को खत्म करने पर जोर दिया। कार्डिनल का आरोप है कि देश के अंदर मौजूद ये ''डीप स्टेट'' (नीति-निर्माण को नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली, ताकतवर गैर सरकारी तत्व) ही 2019 के ''ईस्टर संडे'' हमलों में विश्वसनीय जांच को रोकने के लिए जिम्मेदार हैं।

आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) के नौ आत्मघाती हमलावरों ने 21 अप्रैल, 2019 को तीन गिरजाघरों और कई आलीशान होटलों में सिलसिलेवार विनाशकारी विस्फोट को अंजाम दिया था, जिसमें 11 भारतीयों सहित 258 लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से इस घटना के छह साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित स्मृति संबोधन में पांच सूत्री अनुरोध करते हुए रंजीत ने कहा, '''डीप स्टेट' समूह के संचालन को समाप्त करने के लिए कानून बनाए जाने चाहिए।'' उनका संबोधन ऐसे समय में आया है जब दिसानायके ने रविवार को कहा कि उनके पूर्ववर्ती मैत्रिपाला सिरिसेना द्वारा नियुक्त 2019 की राष्ट्रपति समिति की रिपोर्ट को सीआईडी (अपराध अन्वेषण विभाग) को भेजा गया था। रंजीत ने समिति की रिपोर्ट की अनदेखी करने के लिए सिरीसेना के उत्तराधिकारी गोटबाया राजपक्षे से सार्वजनिक रूप से बहस की थी। समिति की रिपोर्ट में पूर्व खुफिया जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद लापरवाही करने के आरोप में सिरीसेना, रक्षा और खुफिया अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश की गई थी।

पीड़ितों को न्याय दिलाने के वास्ते उचित ध्यान नहीं दिए जाने से नाराज कैथोलिक अल्पसंख्यक ने पिछले साल के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान दिसानायके का समर्थन किया था। दिसानायके ने सोमवार को जिम्मेदार लोगों का पर्दाफाश करने और हमलों के 'मास्टरमाइंड' की घोषणा करने का वादा किया था। रंजीत ने दिसानायके से राष्ट्रपति चुने जाने पर पिछले साल अक्टूबर में किए गए अपने वादे को निभाने का आग्रह किया। सुबह आठ बजकर 45 मिनट पर समूचे श्रीलंका में गिरजाघरों में पीड़ितों की याद में विशेष प्रार्थना की गई और दो मिनट का मौन रखा गया।

भाजपा ने राहुल को देशद्रोही बताया- कहा, उनकी टिप्पणी ईडी की कार्रवाई की हताशा दर्शाती है

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ टिप्पणी को लेकर सोमवार को राहुल गांधी को ''देशद्रोही'' करार दिया और उन पर 'नेशनल हेराल्ड' मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया।

अमेरिका की यात्रा पर गए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कथित तौर पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन की जीत पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग की (सरकार से) मिलीभगत है। गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''आप प्रवर्तन निदेशालय (की 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कार्रवाई) की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं। ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होगा।'' उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ईडी आपको नहीं छोड़ेगा क्योंकि एजेंसियां तथ्यों के आधार पर काम करती हैं और 'नेशनल हेराल्ड' मामला एकदम स्पष्ट मामला है। आपको नहीं छोड़ा जाएगा। आप और आपकी मां को अपराध के जरिए अर्जित आय के साथ पकड़ा जाएगा और जेल भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा कि इस मामले में राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी दोनों सलाखों के पीछे जाएंगे। पात्रा ने कहा, ''आप देशद्रोही हैं, सिर्फ इसलिए नहीं कि आपने विदेशी धरती पर भारतीय संस्थाओं और भारतीय लोकतंत्र का अपमान किया है बल्कि इसलिए भी कि आपने और आपकी मां ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में देश के करोड़ों रुपए का गबन किया है। आप और आपकी मां इससे बच नहीं पाएंगे।'' भाजपा प्रवक्ता ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले पर देश भर में प्रेस वार्ता करने के कांग्रेस के फैसले पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बचाने के लिए अशांति का माहौल बनाने का प्रयास कर रही है। ईडी ने हाल में 'नेशनल हेराल्ड' मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ दिल्ली की एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें उन पर कथित तौर पर 988 करोड़ रुपए के धन शोधन का आरोप लगाया गया है। पात्रा ने आरोप लगाया कि इस मामले में फर्जी दान, फर्जी विज्ञापन और फर्जी किराए के जरिए धन अर्जित किया गया। उन्होंने कहा, ईडी का कहना है कि इस मामले में अपराध की कीमत 988 करोड़ रुपए है। भाजपा नेता ने कहा, उन्हें माफ नहीं किया जाएगा... कानून के लंबे हाथ उन्हें पकड़ लेंगे।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

अब्दुल्ला ने एक क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा, नशा हमारे लिए एक बड़ी समस्या है। हमारे बच्चे इसके कारण बर्बाद हो रहे हैं। हमारा भविष्य अंधकार में जा रहा है। हमें इसके खिलाफ बहुत मजबूत तरीके से बड़ी लड़ाई लड़नी होगी। हमें इस समस्या को पूरी तरह खत्म करना होगा। पाकिस्तान को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, हमें इसके बारे में पता है। यह कोई नई बात नहीं है।

शहर में आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय युवा सम्मेलन 'अभिज्ञ' में शामिल हुए 137 सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी (एफटीएस) युवा शाखा द्वारा तीन दिवसीय वार्षिक राष्ट्रीय युवा सम्मेलन अभिज्ञ' का आयोजन एक होटल में किया गया जिसमें देश भर के 17 शहरों से आए 137 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विचार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में समर्पित युवाओं का सजीव मंच बना। कार्यक्रम में एफटीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सरावगी, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, शांता सारड़ा, राधेश्याम गर्ग, रमेश अग्रवाला, बिमल सरावगी, सरिता अग्रवाल जैसे वरिष्ठ एवं अनुभवी पदाधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय कोर समिति की ओर से युवा राष्ट्रीय संयोजक नीरज हरोड़िया, दक्षिण जोन के संयोजक प्रितेश बुरड़, पश्चिम जोन के संयोजक राशु जैन और पूर्व जोन के संयोजक उत्सव पाराशर मुख्य भूमिका में नजर आए। बेंगलूरु चैप्टर ने इस आयोजन की मेज़बानी की जिम्मेदारी निभाई। स्थानीय समिति के अध्यक्ष हाथीमल बैद के नेतृत्व में रंजीत जैन, वैभव गुप्ता, नरेंद्र भरिंडवाल एवं महिला समिति की ओर से सरिता भंसाली, रेणु कनोडिया, अनीता जैन, ज्योति भट्ट सहित दस महिला सदस्याएं विशेष रूप से उपस्थित थीं।

बेंगलूरु एफटीएस युवा शाखा चैप्टर ने की मेज़बानी

प्रभावी व्याख्यान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व देशभक्ति के गीत रहे आकर्षण

कार्यक्रम को दो दिनों में नौ सत्रों में विभाजित किया गया जिसमें 11 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ताओं और 48 युवा वक्ताओं ने विविध विषयों पर प्रभावशाली और विचारोत्तेजक प्रस्तुतियाँ दीं। महर्षि वैदिक यूनिवर्सिटी के दिग्विजय सिंह ने वैदिक संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के समन्वय पर, वरिष्ठ पत्रकार मनोज्ञा लोईवाल ने युवाओं को मीडिया और संवाद की शक्ति पर, ब्रह्माकुमारी आश्रम की बीके वीणा दीदी ने आंतरिक शांति और संतुलन पर, प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. जय मदान ने जीवन में सही निर्णय लेने की कला पर, योग और साउंड थेरेपी की विशेषज्ञ नेहा जैन ने तनाव मुक्त जीवन पर अपने प्रभावी विचार व्यक्त किए। अयोध्या से आई मात्र 8 वर्षीया आहुत्य शुक्ला ने देशभक्ति कविताओं से श्रोताओं के हृदय को छू लिया तो अंजना चांडक द्वारा प्रस्तुत मोनोड्रामा द्रौपदी ने सभी को भावविभोर कर दिया। समापन समारोह में सारेगामापा 2019' की विजेता और वन वॉयस वन' की सम्मानित गायिका इशिता विश्वकर्मा ने देशभक्ति गीतों से कार्यक्रम में नया जोश भर दिया।

बेंगलूरु युवा टीम को मिले 3 अवार्ड

इस राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर एफटीएस युवा द्वारा क्षमता, सामाजिक जुड़ाव, नवाचार, प्रेरणादायक गतिविधियाँ, सांस्कृतिक समरसता और संगठनात्मक समर्पण जैसी कई श्रेणियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। अलग-अलग श्रेणियों में देशभर की युवा समितियों को नामांकित किया गया था, जिनमें से बेंगलूरु युवा समिति ने तीन प्रतिष्ठित श्रेणियों में बाज़ी मारी और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान अर्जित किया। बेंगलूरु युवाओं ने सबसे अधिक इनोवेटिव स्पोर्ट्स सदस्य बनाने, बेस्ट इवेंट फॉर कल्चरल कनेक्ट यानी सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज से जुड़ने वाले सर्वश्रेष्ठ आयोजन के लिए तथा बेस्ट यूथ टीम ऑफ इंडिया के रूप में ये सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किया।

आयोजन में युवाओं ने दिखाई सक्रियता

इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाने में बेंगलूरु युवा समिति के सभी सदस्यों ने अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल और सचिव पवन रजलीवाल के नेतृत्व में हर स्तर पर अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। प्रमुख टीम सदस्यों में आशीष गुप्ता, प्रितेश बुरड, विकास गुप्ता, साकेत गर्ग, अंकुर जैन, मितेश खंडेलवाल, आरती अग्रवाल, गणपत माली, दीपिका जैन, रचना डालमिया, एकता अनंत, आयुष अग्रवाला, उत्तम बागरेचा, प्रह्लाद जोशी, प्रवीण गहलोत, अनिल मालवीय, गौरव शर्मा, दीपक शर्मा, मृदुल अग्रवाल, अमित सिंह, अनिल सारड़ा आदि शामिल रहे ।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने शुरू की पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा कौशल विकास अभियान के अन्तर्गत छह दिवसीय मास्टर ऑफ पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला चमकते सितारे' का उद्घाटन चामराजपेट कार्यलय में किया गया जिसमें दो बैच में 64 बच्चों ने भाग लिया। लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी एवं महामंत्री निधि पालरेचा ने कहा कि मंच संचालन व सार्वजनिक संवाद की कला छोटी उम्र से ही सीखी जा सके, इस उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन अवकाश में यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन सविता पोरवाल व प्रिया गांधी व सहसचिव चंद्रा जैन ने किया। उपाध्यक्ष लता बोहरा व जीतो लेडीज विंग संयोजक प्रवीण सोफाड़िया ने सभी का स्वागत किया।

कार्यशाला प्रशिक्षिका तरूणा मेहता, कार्तिक सोनीगरा, अमित सिंघवी, रोशनी बेताला व अवधि चौहान प्रतिभागियों को विभिन्न क्षेत्र में प्रशिक्षण देंगे। कोषाध्यक्ष संगीता पारख ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अस्मिता चौहान व संगीता सियाल ने धन्यवाद दिया।

विहार सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साध्वीश्री पावनप्रभाजी एवं पुण्ययशाजी बेंगलूरु के गांधीनगर तेरापंथ भवन से विहार कर मागड़ी रोड पहुंचीं। उनके विहार के अवसर पर तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष मनसुख सेठिया, महासभा से कर्नाटक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा सहित तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, राजराजेश्वरी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ आदि शामिल हुए। विहार में तेयुप गांधीनगर के परामर्शक जितेंद्र घोषल, मंत्री राकेश चोरड़िया, सहमंत्री प्रतीक जोगड़, तेयुप हनुमंतनगर के अध्यक्ष कमलेश झाबक सहित अनेक युवक और श्रावकगण उपस्थित रहे।

स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट ने तिथि त्यौहार पुस्तिका का किया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को कलासिपाल्यम स्थित ट्रस्ट कार्यालय में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी तिथि त्यौहार पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश मित्तल, अध्यक्ष विमलकुमार सरावगी, उप चेयरमैन श्यामलाल बंसल, बिनोद अग्रवाल, शैलेन्द्र मित्तल, नरेश अग्रवाल सहित उपस्थित रहे। अध्यक्ष ने बताया कि इस पुस्तिका का निशुल्क वितरण चैत्र मास के अवसर पर किया जाता है।

ईडी इस वित्त वर्ष में धोखाधड़ी के शिकार लोगों को 15000 करोड़ रुपए की संपत्ति लौटायेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com3

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 15,000 करोड़ रुपए की संपत्ति चिह्नित की है जिसे चालू वित्त वर्ष के दौरान देशभर में 'रियल एस्टेट', पोंजी और अन्य धोखाधड़ी के शिकार लोगों को लौटाया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दस्तावेजों से पता चला है कि इस संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन विरोधी कानून के तहत उपलब्ध संपत्तियों की वापसी के इस प्रावधान को पिछले साल से 'जोरशोर से' लागू करना शुरू कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय अपराध में ठगी के शिकार हुए वैध मालिकों और सही दावेदारों को उनका हक वापस मिले। 'पीटीआई-भाषा' को मिले रिकार्ड के अनुसार, अब तक इस प्रावधान के तहत कुल 31,951 करोड़ रुपए की संपत्ति संबंधित वैध मालिकों और सही दावेदारों को लौटायी जा चुकी है। इसमें से 15,201.65 करोड़ रुपए की संपत्ति 2019-21 के बीच भगोड़े आर्थिक अपराधियों- – विजय माल्या और नीरव मोदी से संबंधित तीन धनशोधन मामलों तथा नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) मामले में ठगी के शिकार लोगों को लौटायी गयी गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष जून में ईडी निदेशक राहुल नवीन ने धनशोधन के उन सभी मामलों की व्यापक समीक्षा की थी, जहां धोखाधड़ी के शिकार लोगों को उनकी संपत्ति लौटाई जा सकती है तथा निदेशालय ने पुनर्स्थापन प्रक्रिया (ठगी के शिकार लोगों को संपत्ति लौटाने की प्रक्रिया) शुरू करने के वास्ते जो आवेदन दायर किए, उनमें उसने 32 मामलों में अदालती आदेश हासिल किये हैं।

आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 से अप्रैल 2025 तक ईडी ने 15,261.15 करोड़ रुपए (वित्त वर्ष 2024-25) और चालू वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान 1,488 करोड़ रुपए की संपत्ति बहाल की। अधिकारियों ने कहा कि ईडी प्रमुख ने हाल में एजेंसी के सभी क्षेत्रों (क्षेत्रीय कार्यालयों) को 'वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 15,000 करोड़ रुपए की संपत्ति की बहाली के लिए चिह्नित मामलों पर सक्रिय रूप से काम करने' के निर्देश जारी किए हैं।

आचार्य जयमल की तरह जीवन में दृढ़ संकल्पी बनें : आचार्य पार्श्वचन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी, साध्वीश्री शशिप्रभाश्री, समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिश्री के सान्निध्य में पार्श्व लब्धि धाम में गतिमान जयमल जैन संस्कार शिविर में जयधुरन्धरमुनिजी ने शिविर के चौथे दिन चार गति का परिभ्रमण मिटाने के लिए बोध प्रदान किया। आचार्य जयमल के नाम में एक दिव्य शक्ति है और उस शक्ति के कारण भवी जीव जीवन में दिव्यता को प्राप्त करता है। मुनिश्री ने शिविरार्थियों को आचार्यश्री जयमलजी की तरह जीवन में दृढ़ संकल्पी होने की प्रेरणा दी। साध्वी वृद्धिप्रभाश्री ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार बहुत आवश्यक है। संस्कार मनुष्य के जीवन में ही आते हैं और उत्तम संस्कार हमें धार्मिक शिविर और गुरू भगवंतों के सान्निध्य में ही मिलते हैं। प्रवचन में प्रतियोगिताओं के विजेता शिविरार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। बच्चों ने शिविर में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने महामांगलिक प्रदान किया एवं कई शिविरार्थियों ने आचार्य श्री के मुख से उपवास, एकासन, आयंबिल, बेला, तेला आदि के प्रत्याख्यान ग्रहण करवाए।संचालन गुड़िया घीया ने किया। रविवार को रात्रि में मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका का अभिनंदन समारोह एवं वैराग्यवर्धक भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें चेन्नई के सुप्रसिद्ध गायक मोहन जैन एवं मनोज जैन ने वैराग्यमय एवं गुरू भक्ति गीतों कर प्रस्तुति दी गई। जयमल जैन श्रावक संघ द्वारा मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका का और शिविर स्थल प्रदाता पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम ट्रस्ट का सम्मान किया गया।

'शब्द' की रचनागोष्ठी में कविताएँ खूब सुनी गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' की गत रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी में मुख्य अतिथि लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र प्रताप थे । उन्होंने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि बेंगलूरु में हिंदी कविता के ऐसे विविध रंगों और बहुआयामी रूपों से परिचित होना मेरे लिए सुखद ही नहीं, चकित करने वाला है। शब्द' के द्वारा दिए जा रहे पुरस्कारों के बारे में मैंने लखनऊ में सुना था किंतु आज इस आयोजन में आपकी अनूठी पारस्परिकता देखकर शब्द' के प्रति मेरी उम्मीद बड़ी हो गयी है।

रचनागोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे गीतकार आनंद मोहन झा ने रचनाकारों की काव्य-प्रस्तुतियों को विषय, शैली तथा शिल्प की दृष्टि से सराहनीय बताया। उन्होंने परंपरा और नेगाचार से संबंधित अपने गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में गजलगो विद्या कृष्णा ने वंदना के स्वरचित मधुर छंद गाए। उन्होंने अपनी बारी आने पर कई गजलें तरन्नुम में सुनाईं। वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल भी गोष्ठी में गजलें सुनाकर श्रोताओं पर अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहीं। कार्यक्रम के संचालक राजेन्द्र गुलेच्छा की तैयारी और संचालन-विधि की सभी ने प्रशंसा की।

प्रारंभ में शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने रचनाकारों का स्वागत करते हुए कविता की प्रासंगिकता की चर्चा की और शब्द' के भावी कार्यक्रमों एवं प्रयासों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने गाँवों से पलायन तथा स्त्री के जीवन-संघर्ष पर लिखी अपनी एक कविता भी सुनाई। रचनागोष्ठी में वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, नलिनी पोपट, बिंदु रायसोनी, गीता चौबे गूँज तथा अनिल अत्रि ने श्रोताओं की मन:स्थिति के अनुरूप एक से बढ़कर एक बेहतरीन कविताएं सुनाईं। नाटककार मथुरा कलौनी, कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा, पंडित राजगुरु, अशोक कुमार सूर्य, कृष्ण कुमार पारीक, रामरतन सिंह आदि की भिन्न मनोभावों वाली कविताएँ भी श्रोताओं द्वारा सराही गईं। विद्या कृष्णा द्वारा कवियों एवं श्रोताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन से रचनागोष्ठी संपन्न हुई ।

फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीर में नशे की बढ़ती समस्या पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में नशे की बढ़ती समस्या पर सोमवार को चिंता जताई और इसे क्षेत्र के युवाओं और उनके भविष्य के लिए बड़ा खतरा बताया। उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए सख्त और मजबूत प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। अब्दुल्ला ने एक क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा, नशा हमारे लिए एक बड़ी समस्या है। हमारे बच्चे इसके कारण बर्बाद हो रहे हैं। हमारा भविष्य अंधकार में जा रहा है। हमें इसके खिलाफ बहुत मजबूत तरीके से बड़ी लड़ाई लड़नी होगी। हमें इस समस्या को पूरी तरह खत्म करना होगा।

पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थ भेजे जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, हमें इसके बारे में पता है। यह कोई नई बात नहीं है। हमारे बीच भी कुछ लोग हैं जो इसमें शामिल हैं और हमें उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यहां कुछ लोग इस धंधे में शामिल हैं और नशीले पदार्थ बेच रहे हैं। हमें उन्हें पकड़कर कड़ी से कड़ी सजा देनी होगी। वे हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर को लेकर पाकिस्तान सेना प्रमुख के हालिया बयान पर अब्दुल्ला ने टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, मैं पाकिस्तानी नहीं हूं और किसी पाकिस्तानी जनरल की ओर से बोल नहीं सकता।

तेयुप विजयनगर की जूनियर कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा आयोजित 5 दिवसीय जूनियर कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का समापन जैन भवन, चंद्रा लेआउट में हुआ। साध्वीश्री संयमलताजी की सहवर्तिनी साध्वी मार्दवश्रीजी और रौनकप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में साध्वीद्वय ने अभिभावकों को बच्चों की जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन और व्यवस्थित समाधान देने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने सोशल मीडिया के सही उपयोग पर अपनी बात रखी। तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सबका स्वागत किया। मुख्य प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत ने प्रतिभागियों को जैनत्व, स्वावलंबन और अपने जुनून को साथ रखकर कुछ अर्जन करने की भी प्रेरणा प्रदान की। प्रशिक्षिका डिंपल सियाल, शेफाली मांडोत ने मॉक ड्रिल, रोल-मॉडल, कथा वाचन एवं अनेक प्रकार के भाषण अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों को मंच पर आने और बोलने का आत्मविश्वास प्रदान किया। सम्यक ज्ञान प्रचारक मंडल के सुनील लोढ़ा व रवि जैन सहित कार्यक्रम के सहयोगी कंचनदेवी रोशनाला मारू व हनुमानमल संजय नोखा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संबंधित सभा संस्थाओं के पदाधिकारी व कार्यशाला संयोजक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री पवन बैद एवं कार्यक्रम संयोजक विनीत गांधी ने किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मंत्री संजय भटेवरा ने सभी प्रतिभागियों व सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com